आपकी बात, निर्भीकता के साथ

# प्रातः नागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 169 रांची, मंगलवार, 02 जून, 2026 (ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष 02, संवत 2083) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com


## संक्षिप्त

### सुप्रीम कोर्ट में पांच नए जजों की नियुक्ति, न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हुई

**नई दिल्ली।** देश की सर्वोच्च अदालत में न्यायिक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इन नियुक्तियों के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत जजों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है, जबकि अब केवल एक पद रिक्त रह गया है। नियुक्त किए गए नए न्यायाधीशों में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण पल्ली तथा वरिष्ठ अधिवक्ता सुब्रमणि मोहना शामिल हैं। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद इन सभी की नियुक्ति औपचारिक रूप से प्रभावी हो गई है। कानून मंत्रालय के अनुसार, न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों की सुनवाई के लिए संविधान पीठों का गठन अधिक नियमित रूप से किया जा सकेगा।

### 5 लाख की रिश्वत मामले में क्लास-1 अधिकारी गिरफ्तार 2.64 करोड़ की संपत्ति बरामद

**गांधीनगर।** गुजरात के गांधीनगर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने ऊर्जा विभाग के विद्युत निरीक्षण कार्यालय के क्लास-1 अधिकारी अश्विन बी. चौधरी को पांच लाख रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उनके विभिन्न ठिकानों पर हुई छापेमारी में 2.64 करोड़ से अधिक की बेहिसाबी संपत्ति बरामद हुई है। एसीबी की निदेशक भारती पंड्या ने बताया कि एसीबी फील्ड-3 के पीआई पी.एन. खोखरा को सूचना मिली थी कि गांधीनगर स्थित उद्योग भवन कार्यालय में कार्यरत मुख्य विद्युत निरीक्षक अश्विन बी. चौधरी सोलर प्रोजेक्ट से जुड़े मामलों में स्थल निरीक्षण किए बिना ही एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) जारी करते हैं और इसके बदले बड़े पैमाने पर रिश्वत लेते हैं।

### फर्जी हस्ताक्षर मामले में टीएमसी का बड़ा एक्शन दो विधायक निलंबित

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव में फर्जी हस्ताक्षरों के मामले में अपने दो विधायकों, ऋतोब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निलंबित किया है। यह फैसला प्रस्ताव में गड़बड़ी मिलने के बाद लिया गया है। बनर्जी उलुबेरिया पूर्व से और साहा एंटाली से टीएमसी के विधायक हैं। इस कार्रवाई के बाद साहा ने पार्टी के भीतर हुई कथित गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की बैठक में मौजूदगी नहीं थी, उनके हस्ताक्षर प्रस्ताव में शामिल किए गए थे। उनके अनुसार, यह एक बड़ी गलती है और इस मामले की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

### कमर्शियल गैस सिलेंडर और पांच किग्रा का छोटा हुआ महंगा

**नई दिल्ली।** पेट्रोल और डीजल के बाद 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत में 42 रुपये का इजाफा किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 3113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में इसकी कीमत 3255.50 रुपये पहुंच गई है। इसके साथ पांच किलोग्राम वाले छोटे एफटीएल सिलेंडर की कीमत में 11 रुपये की वृद्धि की गई है। 14.2 किलोग्राम के घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में हुई बढ़ोतरी की दर आज से लागू हो गई है। राहत की बड़ी बात यह है कि केंद्र सरकार ने आज से पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ़्यूल (एटीएफ) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटाने की घोषणा की है। गैस प्रदाता कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पांच किलोग्राम वाला छोटा सिलेंडर अब 821.50 रुपये का मिलेगा। कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इससे वहां 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 3255.50 रुपये हो गई है।

## कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने दिये कई अहम निर्देश

# कौशल विकास कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनायें : मुख्यमंत्री

**ई-साइकिल योजना और कौशल विकास पर विशेष जोर**

**रोजगार सृजन योजना के लाभुकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया संवाद**

**प्रातः नागपुरी संवाददाता**

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड मंत्रालय में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं पहलों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी, समयबद्ध एवं लक्ष्य आधारित तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। उन्होंने योजनाओं की नियमित निगरानी तथा विभागीय समन्वय को और मजबूत बनाने पर बल दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, छात्रवृत्ति योजनाओं, ई-कल्याण पोर्टल, मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना, परीक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति योजना तथा साइकिल वितरण योजना की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन योजना के लाभुकों से वीडियो संवाद के माध्यम से उनके व्यवसाय, आय और बैंकिंग सहयोग की जानकारी ली तथा लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। साथ ही लाभुकों से नियमित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए दूरभाष सहायता केंद्र स्थापित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों और आदिवासी छात्रावासों की समीक्षा करते हुए विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पारंपरिक साइकिल के स्थान पर ई-साइकिल उपलब्ध कराने के लिए व्यवहारिक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में सुविधा होगी और उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम चलाकर विद्यार्थियों को विशेष गहन पुनरीक्षण और जनगणना के प्रति जागरूक करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा कौशल विकास कार्यक्रमों को स्थानीय जरूरतों और रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिला अस्पतालों में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के मरीजों की सुविधा के लिए विशेष सहायता केंद्र स्थापित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही कब्रिस्तान घेराबंदी तथा मांझी, परगना, पड़हा, मानकी-मुंडा एवं धुमकुड़िया भवनों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। बैठक में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव कृपानंद झा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## आमजन को सरल, पारदर्शी और समय से सेवाएं उपलब्ध करायें : सीएम

**सीएम ने की परिवहन और राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षात्मक बैठक**

**प्रातः नागपुरी संवाददाता**

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड मंत्रालय में परिवहन विभाग तथा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं, कार्यों और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने आमजन को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने भूमि अभिलेखों के चरणबद्ध डिजिटलीकरण को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण के बाद नागरिकों को भूमि की स्थिति, अधिग्रहण एवं स्वामित्व संबंधी अद्यतन जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध हो सकेगी, जिससे भूमि विवादों में कमी आएगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने खासमहल भूमि से संबंधित लीज नवीनीकरण, लीज हस्तांतरण और भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रियाओं को सरल एवं समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए। साथ ही खासमहल लीजधारकों का सर्वेक्षण, मैपिंग और दस्तावेजों का पुनः सत्यापन कराने पर भी जोर दिया।

परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलावार रूट मैपिंग और सड़क नेटवर्क के विकास पर बल दिया। बैठक में रांची स्मार्ट सिटी में विकसित हो रहे ट्रैफिक पार्क, जमशेदपुर में निमार्णाधीन चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान तथा धनबाद में विकसित किए जा रहे वाहन निरीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा को लेकर राज्य सड़क सुरक्षा परिषद और जिला सड़क सुरक्षा समितियों की भूमिका को और सक्रिय बनाने पर जोर दिया।

## झारखंड को मिले छह नए आईपीएस अधिकारी

**प्रातः नागपुरी संवाददाता**

**रांची।** केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 के आधार पर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के कैडर आवंटन की अधिसूचना जारी कर दी है। जारी सूची के अनुसार झारखंड कैडर को इस वर्ष छह नए आईपीएस अधिकारी आवंटित किए गए हैं। इनमें दो अधिकारी झारखंड से संबंधित हैं, जबकि चार अधिकारी अन्य राज्यों से झारखंड कैडर में नियुक्त किए गए हैं। नए अधिकारियों की नियुक्ति से राज्य की कानून-व्यवस्था, पुलिस प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में अधिकारियों का कैडर आवंटन उनकी रैंक, श्रेणी और वरीयता के आधार पर किया गया है। राज्य सरकार ने नए अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनसे जनसेवा और बेहतर पुलिसिंग की अपेक्षा जताई है।

## सरकार को दान की गई भूमि पर नहीं लगेगा स्टाम्प शुल्क

**रांची।** झारखंड सरकार ने सार्वजनिक उपयोग के लिए दान की जाने वाली भूमि के हस्तांतरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, झारखंड सरकार को सार्वजनिक हित में दान की जाने वाली भूमि के हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क से पूर्ण छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट सड़क, पार्क, पुस्तकालय, शहरी एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए दान की जाने वाली भूमि पर लागू होगी। साथ ही पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति के तहत अधिसूचित भूमि से संबंधित दस्तावेजों को भी स्टाम्प शुल्क से मुक्त रखा गया है।

## रास की 27 सीटों और तीन राज्यों की विधान परिषदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू

**प्रातः नागपुरी संवाददाता**

**नई दिल्ली/रांची।** चुनाव आयोग ने सोमवार को राज्यसभा की 27 सीटों तथा तीन राज्यों की विधान परिषद सीटों के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सभी चुनावों के लिए मतदान 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जबकि मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू होगी। चुनाव आयोग के अनुसार 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव कराए जाएंगे, जबकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा की एक-एक राज्यसभा सीट पर उपचुनाव होगा। इसके अलावा बिहार विधान परिषद की नौ सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव और एक सीट पर उपचुनाव होगा। वहीं कर्नाटक विधान परिषद की सात सीटों पर भी चुनाव संपन्न कराया जाएगा। चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 1 जून से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून निर्धारित की गई है। चुनाव आयोग ने निर्वाचन अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी है तथा चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

**झारखंड में रास की दो सीटों पर होना है चुनाव**

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव होना है। इनमें एक सीट झामुमो संस्थापक शिबू सोरेन के निधन के कारण रिक्त हुई है, जबकि दूसरी सीट भाजपा नेता दीपक प्रकाश के कार्यकाल पूरा होने के कारण खाली हो रही है।

## जेईई एडवांस्ड 2026 में झारखंड का शानदार प्रदर्शन, शौर्य शेखर बने स्टेट टॉपर

**प्रातः नागपुरी संवाददाता**

**रांची।** देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड 2026 में झारखंड के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। रांची के शौर्य शेखर ने ऑल इंडिया रैंक 414 प्राप्त कर राज्य में पहला स्थान हासिल किया, जबकि स्नेहल राज सिंह ने ऑल इंडिया रैंक 635 के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।

परिणाम घोषित होने के बाद दोनों छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, अनुशासन और समय प्रबंधन को दिया। शौर्य शेखर ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में निरंतरता और एकाग्रता सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह दी। वहीं स्नेहल राज सिंह ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के घंटों से अधिक उसकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण होती है। दोनों छात्रों की उपलब्धि ने राज्य के विद्यार्थियों को नई प्रेरणा दी है।

### जेईई एडवांस्ड-2026 की परीक्षा में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड-2026 का परिणाम घोषित कर दिया। इस वर्ष परीक्षा में दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर दिल्ली जोन के कबीर छिल्लर रहे, जिन्होंने 329 अंक प्राप्त किए, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह शीर्ष तीनों स्थानों पर दिल्ली जोन के अभ्यर्थियों का कब्जा रहा। इस वर्ष जेईई एडवांस्ड के लिए 1,87,389 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। इनमें से 1,79,694 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 56,880 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया।

## भाजपा ने नागेंद्र नाथ को बनाया राष्ट्रीय संगठक

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं केंद्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केंद्र दिल्ली होगा। भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन

वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है।

इससे पहले वह बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

## देश में पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडार : सरकार

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद हम कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति को बनाए रखने में सफल रहे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में दावा करते हुए कहा कि हमारे पास पूरे देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हालांकि कुछ जगहों से ऐसी रिपोर्ट सामने आई हैं जिनमें पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री असामान्य रूप से ज्यादा रही है।

# पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल विस्तार, 35 मंत्रियों ने ली शपथ

**ममता के गढ़ और रसूखदार नेताओं को हराने वालों को मिली सुवेंदु कैबिनेट में जगह**

**एजेंसी**

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के मंत्रिमंडल का सोमवार को पहला बड़ा विस्तार हुआ। लोक भवन में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आर.एन. रवि ने 35 नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल विस्तार में 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, तीन नेताओं को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री तथा 19 नेताओं को राज्य मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 41 हो गई है। समारोह की शुरूआत वंदे मातरम् और राष्ट्रीय गान के साथ हुई थी।

इन 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है -

1. दीपक बर्मन, 2. तापस राय, 3. डॉ. शंकर घोष, 4. मनोज कुमार उरांव, 5. अर्जुन सिंह, 6. गौरी शंकर घोष, 7. स्वपन दासगुप्ता, 8. जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, 9. कल्याण चक्रवर्ती, 10. अजय पोद्दार, 11. शारद्वत मुखर्जी, 12. दुध कुमार मंडल, 13. अनुप कुमार दास।

**स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री :** तीन विधायकों को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की जिम्मेदारी दी गई है। ये हैं - 1. डॉ. इंद्रनील खान, 2. मालती रावा राय, 3. राजेश महतो।

**राज्य मंत्री :** समारोह में 19 विधायकों ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। ये हैं - 1. जुएल मुर्मू, 2. हरे कृष्ण बेरा, 3. आनंदमय बर्मन, 4. अशोक डिंडा, 5. नदियार चांद बाउड़ी, 6. विशाल लामा, 7. शांतनु प्रमाणिक, 8. मौमिता विश्वास मिश्रा, 9. उमेश राय, 10. पूर्णिमा चक्रवर्ती, 11. कौशिक चौधरी, 12. भास्कर भट्टाचार्य, 13. दिवाकर घरामी, 14. अमिया किस्कू, 15. कलिता माझी, 16. गर्गी दास घोष, 17. विराज विश्वास, 18. दीपंकर जाना, 19. सुमना सरकार।

शपथ ग्रहण समारोह में अधिकांश नेता पारंपरिक बंगाली परिधान धोती और कुर्ता में पहुंचे। कई नवनियुक्त मंत्री अपने परिवार के सदस्यों के साथ समारोह में शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अलावा केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और मंत्री अग्निमित्रा पाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। मंत्रिमंडल विस्तार में संगठनात्मक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और विभिन्न सामाजिक वर्गों को प्राथमिकता देने का प्रयास किया गया है। उत्तर बंगाल के विधायकों को अधिक जगह मिली है। सूत्रों के मुताबिक, विभागों का अंतिम आवंटन जल्द किया जाएगा।

## निपुणता और सिखाने की क्षमता हो, वही श्रेष्ठ शिक्षक : पीएम मोदी

**पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किया संदेश**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संयुक्त क्रिया (कम्पाउंड वर्ब) के महत्व को रेखांकित करते हुए एक ज्ञानवर्धक संस्कृत सुभाषित साझा किया। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि कंपाउंड वर्ब का अर्थ एक शब्द की विशेषता को उससे जुड़े दूसरे शब्द में स्थानांतरित करना या जोड़ना होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस व्यक्ति में स्वयं की निपुणता और दूसरों को सिखाने की क्षमता दोनों गुण मौजूद हों, उसे ही शिक्षक के कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से करना चाहिए। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक शेयर किया जिसका भावार्थ है कि कुछ लोग स्वयं किसी कार्य को करने में बेहद निपुण होते हैं, जबकि कुछ अन्य लोग उस ज्ञान या कौशल को दूसरों तक बहुत प्रभावी ढंग से पहुंचाने की विशेष योग्यता रखते हैं। जिस व्यक्ति में ये दोनों गुण—अर्थात स्वयं की कुशलता और दूसरों को सिखाने की उत्तम क्षमता—निहित हों, उसे ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों की श्रेणी में सबसे अग्रणी स्थान दिया जाना चाहिए। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने निरंतर सुभाषितों के माध्यम से देशवासियों को प्रेरित किया है।

# जंगली हाथियों ने वार्ड सदस्य के घर को किया ध्वस्त, दूसरे के घर में काटी रात

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**खूंटी।** जिले के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। विशेषकर रनिया, मुरहू, कर्रा, तोरपा और अड़की प्रखंड के कई गांवों में लोग हर रात भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को विवश हैं। ताजा मामला रनिया प्रखंड के खटखुरा पंचायत अंतर्गत नरसिंह गांव का है, जहां रविवार रात दो जंगली हाथियों ने एक घर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बचा लिए गए। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम से ही ग्रामीणों को गांव के समीप जंगल में दो जंगली हाथियों के विचरण की सूचना मिल गई थी। इसके बाद वार्ड सदस्य ममता केरकेट्टा और उनके पति नरेश केरकेट्टा के नेतृत्व में ग्रामीण गांव की सुरक्षा के लिए पहरा दे रहे थे। देर रात में हाथी गांव की ओर बढ़ने लगे। अंधेरा गहराने और हाथियों की चिंघाड़ से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। स्थिति बिगड़ती देख लोग अपने-अपने घरों की ओर भागे। इसी दौरान दोनों हाथी वार्ड सदस्य ममता केरकेट्टा के घर के पास पहुंच गए और घर को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। घर के भीतर बच्चे, परिजन और मेहमान सहित सात लोग सो रहे थे। ममता केरकेट्टा और नरेश केरकेट्टा ने जान जोखिम में डालकर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। परिवार के बाहर निकलते ही हाथियों ने घर की दीवारें तोड़ दीं और देखते ही देखते पूरा मकान धराशायी हो गया। ग्रामीणों ने रातभर मशाल और शोर-शराबे के सहारे हाथियों को गांव से खदेड़ने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद हाथी जंगल की ओर लौटे, लेकिन तब तक वार्ड सदस्य का आशियाना पूरी तरह उजड़ चुका था। वर्तमान में उनका परिवार दूसरे लोगों के घरों में शरण लेने को विवश है। सोमवार सुबह ध्वस्त घर को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। गांव में भय का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि हाथियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है और हर रात अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह समस्या केवल नरसिंह गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि खूंटी जिले के कई गांव वर्षों से हाथियों के आतंक से जूझ रहे हैं। फसल, मकान और जान-माल के नुकसान की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं, लेकिन स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से हाथियों के बढ़ते आतंक पर प्रभावी और दीर्घकालिक उपाय करने की मांग की है, ताकि लोगों को भयमुक्त जीवन मिल सके।

# भुइयांडीह में 3 जून को झामुमो का मिलन समारोह कई दलों के नेता-कार्यकर्ता होंगे पार्टी में शामिल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**रामगढ़।** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) मांडू प्रखंड द्वारा आगामी 3 जून को भुइयांडीह स्थित हेमलाल सिंह के आवास के समीप एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल है। इसकी जानकारी झामुमो मांडू प्रखंड अध्यक्ष अकाल उरांव ने दी। उन्होंने बताया कि मिलन समारोह में राज्य सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा, झामुमो के केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो एवं वरिष्ठ नेता सोनाराम मांझी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े कई नेता और कार्यकर्ता झामुमो की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी का दामन थामेंगे। अकाल उरांव ने कहा कि झामुमो की नीतियों और राज्य सरकार के जनहितकारी कार्यों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ने की इच्छा जता रहे हैं। मिलन समारोह के माध्यम से पार्टी में शामिल होने वाले सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का गर्मजोशी के साथ स्वागत, अभिनंदन एवं सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। झामुमो नेताओं के अनुसार यह मिलन समारोह मांडू प्रखंड में संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

**संक्षिप्त**

### नहीं रहे खूंटी के समाजसेवी आदित्य प्रसाद साहू

**खूंटी।** गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष, अखाड़ा के उस्ताद रहे आदित्य प्रसाद साहू का निधन रविवार की देर रात रिम्स में इलाज के दौरान हो गया। आदित्य प्रसाद के निधन की खबर मिलते ही सोमवार की सुबह उनके डीएवी रोड स्थित आवास पर लोगों की भीड़ लग गई। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता आदित्य प्रसाद पिछले कई महीनों से बीमार थे। स्थानीय तजना मुक्ति धाम में सोमवार को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। वे झारखंड प्रदेश कान्यकुब्ज वैश्य हलवाई समिति, अखिल विश्व गायत्री परिवार खूंटी शाखा, केंद्रीय रामनवमी महासमिति खूंटी, चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े थे। आदित्य प्रसाद के निधन पर शोक करते हुए केंद्रीय रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष अनूप साहू और महामंत्री जितेंद्र कश्यप ने कहा कि है आदित्य प्रसाद केंद्रीय रामनवमी महासमिति के उस्ताद रहे तथा सनातन धर्म के हमेशा हितचिंतक और बूढ़ा महादेव के अन्य भक्त थे। वे नागपुरी भाषा के कवि और जानकार थे।

### पिपरवार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शादी समारोह से टीएसपीसी का फरार उग्रवादी गिरफ्तार

**खलारी।** पिपरवार थाना पुलिस ने उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के एक सक्रिय एवं लंबे समय से फरार चल रहे सदस्य को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त एजाज अंसारी उर्फ राजू अंसारी उर्फ ऐजाजुल उर्फ रियाजुल अंसारी (उम्र 33 वर्ष), पिता मो. जमाल अंसारी, निवासी मुरपा (थाना बालूमाथ, जिला लातेहार) को उसके पैतृक गांव से शादी समारोह के दौरान पकड़ा गया। सूत्रों के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अपने गांव मुरपा में एक पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने आने वाला है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए इसे वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में अभय कुमार (थाना प्रभारी, पिपरवार), अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार, संजय कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

# दिशा की बैठक में पिपरवार कोयलांचल की समस्याएं उठीं

**सड़क सुरक्षा से लेकर पंचायत चुनाव तक कई मुद्दों पर चर्चा**

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**खलारी।** चतरा समाहरणालय में आयोजित दिशा की बैठक में बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी ने पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र की कई जनहित से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने पिपरवारझटंडवा मुख्य मार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता जताते हुए सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ठोस पहल करने की मांग की। विधायक ने सड़क किनारे मौजूद सूखे एवं जर्जर पेड़ों को शीघ्र हटाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सीसीएल प्रभावित क्षेत्र में शव वाहन और शव गृह की अविलंब व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी की। बैठक में उन्होंने बचरा दक्षिणी और बचरा उत्तरी पंचायतों में मुखिया पद रिक्त होने के कारण विकास कार्य प्रभावित होने का मुद्दा उठाया और पंचायत चुनाव के साथ वहां भी चुनाव कराए जाने की बात कही। साथ ही उन्होंने वर्ष 2022 से लंबित पारा शिक्षकों की सेवा संपुष्टि प्रक्रिया को जल्द पूरा करने की मांग की। इसके अलावा बचरा पिलाई डैम के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव रखते हुए इसे पर्यटन और जनसुविधा के दृष्टिकोण से विकसित करने पर बल दिया गया। बैठक में सांसद कालीचरण सिंह, उपायुक्त रवि आनंद, एसपी अनिमेष नैथानी, विधायक कुमार उज्ज्वल दास, सांसद मनीष जायसवाल के प्रतिनिधि रविंद्र सिंह, टंडवा प्रमुख रीना कुमारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

### जंगली हाथी ने आम बागान को किया तहस-नहस, डेढ़ लाख का नुकसान

**खूंटी।** कर्रा प्रखंड की जरियागढ़ पंचायत अंतर्गत मुरचकेल गांव में जंगली हाथी के उत्पात से एक किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी नन्दलाल सिंह के लगभग एक एकड़ 54 डिसमिल क्षेत्र में लगे आम के बागान को जंगली हाथी ने शुक्रवार और रविवार की रात को रौंदकर तहस-नहस कर दिया। बताया गया कि हाथी बगान में घुस गया और कई आम के पेड़ों की डालियां तोड़ दीं और फलों को नष्ट कर दिया। हाथी के उत्पात से बड़ी मात्रा में तैयार आम जमीन पर गिरकर खराब हो गए। इससे किसान को आर्थिक रूप से भारी क्षति पहुंची है। प्रभावित किसान ने बताया कि बागान से इस वर्ष अच्छी उपज की उम्मीद थी, लेकिन हाथी के हमले से सारी मेहनत पर पानी फिर गया। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जंगली हाथियों की गतिविधियां बढ़ गई हैं, जिससे किसानों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से प्रभावित किसान को उचित मुआवजा देने और हाथियों के गांवों और खेती वाले क्षेत्रों में प्रवेश रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। प्राथमिक आकलन के अनुसार आम के फल और पेड़ों को हुए नुकसान से लगभग एक लाख से डेढ़ लाख रुपये तक की क्षति होने का अनुमान लगाया गया है। घटना के बाद किसान एवं ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दे दी है।

# गोला डेली मार्केट बनेगा मॉडल मार्केट, सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मिली मंजूरी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**रामगढ़।** रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड सभागार में गोला डेली मार्केट को आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल मार्केट के रूप में विकसित करने को लेकर सोमवार को किसानों, दुकानदारों, जनप्रतिनिधियों एवं जिला, प्रखंड प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं प्रखंड प्रशासन द्वारा तैयार न्यू डेली मार्केट मॉडल पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें उपस्थित सभी पक्षों ने अपनी सहमति जताई। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित होने के साथ ही गोला डेली मार्केट को मॉडल मार्केट के रूप में विकसित करने का रास्ता साफ हो गया है। जिला प्रशासन से अंतिम स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक ममता देवी ने कहा कि मॉडल मार्केट के निर्माण से किसानों, व्यापारियों एवं आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय किसानों को अपने कृषि उत्पादों के विपणन के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होगा, वहीं व्यापारिक गतिविधियों को भी नया आयाम मिलेगा।

# प्रहरी पहल के तहत रामगढ़ जिला पुलिस की व्यापक एंटी क्राइम चेकिंग

**अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर कसी नकेल**

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**रामगढ़।** पुलिस अधीक्षक रामगढ़ मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने और आम जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने को लेकर रामगढ़ जिले के पुलिस द्वारा सोमवार को प्रहरी पहल के तहत विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिले के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जांच और निगरानी की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य नशाखोरी, अड्डेबाजी, छेड़खानी, सड़क किनारे अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना था। पुलिस टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में गश्त करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर नजर रखी और लोगों को कानून का पालन करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए जागरूक भी किया।

### प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रखंड समन्वयक को मिला नियुक्ति पत्र

**खूंटी।** जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के लिए चयनित अभ्यर्थी प्रियंका तोपनो को सोमवार को प्रखंड समन्वयक पद का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। नियुक्ति पत्र उप विकास आयुक्त (डीडीसी) प्रवीण कुमार प्रकाश ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सौंपा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने प्रियंका तोपनो को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभुकों को आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और लाभुकों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाने में प्रखंड समन्वयक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

# सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई: डीजल चोरी का प्रयास नाकाम, 100 लीटर डीजल बरामद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**खलारी।** राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा में तत्पर सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार की क्राइम एवं इंटेलिजेंस विंग (सीआईडब्ल्यू) ने रविवार रात डीजल चोरी के एक प्रयास को विफल करते हुए लगभग 100 लीटर डीजल बरामद किया। इस कार्रवाई के बाद अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में डीजल चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सीआईएसएफ द्वारा लगातार विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। कमांडेंट अमित कुमार के निर्देशन में सीआईडब्ल्यू की विशेष टीम रोहिणी ओबी डम्प क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। रविवार रात करीब 9 बजे टीम ने क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां देखीं और तत्काल घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान घटनास्थल से दो प्लास्टिक गैलनों में रखा लगभग 100 लीटर डीजल बरामद किया गया। सीआईएसएफ टीम की मौजूदगी का आभास होते ही डीजल चोरी में शामिल असामाजिक तत्व अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। बरामद डीजल को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद रोहिणी परियोजना के प्रोजेक्ट इंजीनियर मो. जुनैद अख्तर को सौंप दिया गया। सीसीएल प्रबंधन ने बरामद डीजल का मूल्य लगभग 14,700 रुपये बताया है। सीआईएसएफ के कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा बल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोयला, डीजल एवं अन्य संसाधनों की चोरी, तस्करी और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। सीआईएसएफ की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हुई है तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के बीच भय का माहौल बना हुआ है।

# खलारी प्रखंड कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

**50 लोगों ने किया रक्तदान**

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**खलारी।** खलारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में 50 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। शिविर का उद्घाटन अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रणव अम्बष्ट,खलारी थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा एवं डॉक्टर ईरशाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रणव अम्बष्ट ने कहा कि रक्तदान मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा एक महान कार्य है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान से जहां जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है, वहीं रक्तदाता भी स्वस्थ रहता है। रिम्स ब्लड बैंक के डॉ. उमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं का सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह किया गया। बताया गया कि गर्मी के मौसम में रक्त की कमी को देखते हुए रिम्स ब्लड बैंक के आग्रह पर रक्तदान महादान टीम एवं लापता हेल्प डेस्क की इकाई द्वारा इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को सफल बनाने में डॉ. इरशाद आलम, पंकज प्रसाद, मुन्नू शर्मा, मुखिया पुतुल देवी, तेजी किस्पोट्टा, मलका मुंडा, शैलेश सिंह, आलोक चौहान, दीपक प्रसाद, संतोष सिंह, बीपीओ विनय कुमार, आदित्यनाथ झा, विकास कुमार, योगेश कुमार, अभिषेक चौहान, संजय कुमार सहित कई गणमान्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे और रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। आयोजनकताओं ने रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही। यह संस्करण स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाली रिपोर्ट की शैली में तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक मुख्य शीर्षक, परिचय और विस्तृत समाचार शामिल है।

# एसआईआर और बी-1, बी-2 को लेकर झामुमो कार्यकर्ताओं की अंचलाधिकारी संग बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**खलारी।** खलारी प्रखंड में सोमवार को दोपहर 2 बजे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यकताओं की बैठक अंचलाधिकारी के साथ आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा बी-1 एवं बी-2 से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा करना था। बैठक में अंचलाधिकारी ने बताया कि अभी किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं काटा गया है। जिन मतदाताओं का नाम संभावित रूप से हटाए जाने की सूची में है, उनकी सूची संबंधित बूथों पर चस्पा कर दी गई है। जिनका नाम सूची में प्रदर्शित नहीं किया गया है, उनका मानचित्रण (मैपिंग) कार्य पूरा हो चुका है। अंचलाधिकारी ने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम बूथ पर चस्पा सूची में है, वे 23 जून तक अपना मानचित्रण कार्य पूरा करा लें, ताकि उनका नाम मतदाता सूची से न कटे। उन्होंने बताया कि मानचित्रण के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पिता, माता, दादा, दादी, नाना या नानी सहित परिवार के किसी सदस्य का नाम दर्ज होना चाहिए। साथ ही यदि किसी व्यक्ति का नाम भारत के किसी भी जिले अथवा राज्य की मतदाता सूची में है, तो उसका नाम नहीं काटा जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम में आने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी मतदाता को किसी प्रकार की समस्या होती है तो वह अपने बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) अथवा अंचल कार्यालय से संपर्क कर सकता है।

### खलारी में मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला के कारण दहशत, प्रशासन की निष्क्रियता पर उठे सवाल

**खलारी।** खलारी प्रखंड के शहीद चौक से बैंक चौक तक के इलाके में पिछले दो दिनों से एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला के कारण स्थानीय लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय निवासियों और दुकानदारों का कहना है कि उक्त महिला राहगीरों को रोककर डराने-धमकाने की कोशिश करती है और कई बार दुकानों से सामान उठाकर ले जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्थिति धीरे-धीरे गंभीर होती जा रही है, जिससे बाजार क्षेत्र में आने-जाने वाले लोग असहज और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों ने आशंका जताई है कि महिला कभी भी किसी पर पत्थर या अन्य वस्तु से हमला कर सकती है, जिससे बड़ी दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में सामाजिक संस्था लापता डेस्क सहित संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई है, लेकिन अब तक किसी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

# देश के आदिवासियों को एकजुट करने के लिए सरना धर्म कोड जरूरी

**सीएम हेमंत सोरेन ने 2026 के जनगणना फॉर्म में सरना धर्म कोड कॉलम रखने के लिए प्रधानमंत्री को लिखा पत्र**

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2026 के जनगणना फॉर्म में सरना धर्म कोड कॉलम भी रखने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। वैसे 2020 में झारखण्ड विधानसभा से एक प्रस्ताव पास कर सरना धर्म को जनगणना में जोड़ने की मांग केन्द्र सरकार से की गयी थी। लेकिन 2021 में जनगणना होनी थी, नहीं हुई। 2026 में जनगणना की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि 2011 में जनगणना फॉर्म में सरना धर्म का कोड नहीं होने के बावजूद 21 राज्यों के लगभग 50 लाख आदिवासियों ने जनगणना फॉर्म में अपना धर्म सरना लिखवाया था।

वस्तुतः आदिवासियों को हिन्दू धर्मावलंबी सरकार/सरकारें मानती रही हैं। राष्ट्रपति जो कभी राज्यपाल थीं झारखण्ड की वह भी आदिवासी सरना धर्म के स्थान पर सारा पूजा-पाठ विधि विधान हिन्दू रिति से ही करती हैं। वैसे सरहुल और कर्मा में शुभकामना भी देती हैं, लेकिन सभी राज्यपाल (जो गैरआदिवासी हैं) अखबारो में सरहुल और करमा त्योहार पर शुभकामना देते हैं/देते रहे हैं।

आजकल झारखण्ड की एक आईआरएस निशा उरांव जिनके पति गैरआदिवासी हैं 2026 के आरंभ से ही आदिवासियों को हिन्दू धर्मावलंबी मानने के पोस्ट सोशल मीडिया पर डालती रही हैं। इसको लेकर सरना आदिवासियों के संगठन ने पुरजोर विरोध और आपत्ति दर्ज कराई है। निशां उरांव झारखण्ड के पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव की पुत्री हैं। रामेश्वर उरांव मूलतः पलामू जिला के रहने वाले हैं। आइपीएस रह चुके हैं।

सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर लिया था। कांग्रेस से सांसद रहे। अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रहे। फिलहाल कांग्रेस से ही विधायक हैं। इसबार कांग्रेस ने उन्हें हेमंत सरकार से मंत्री बनाने की सिफारिश नहीं की। राजद से कांग्रेस में आये बंधु तिर्की की बेटी शिल्पा नेहा तिर्की मंत्री बनी हैं।

**वोट बैंक में सेंधमारी :** उसमे भी सरना धर्म कोड की मांग उठी थी। प्रस्ताव पास हुआ था। भाजपाई उसमें शामिल नहीं हुए थे। उस सम्मेलन में अनुसूचित जनजाति की जगह आदिवासी सरकारी दस्तावेजों में दर्ज करने की भी मांग का प्रस्ताव पास हुआ था। हेमंत सोरेन का कहना है कि पिछले आठ दशकों में आदिवासियों की संख्या 38 प्रतिशत से घटकर झारखण्ड में 26 प्रतिशत हो गई है।

दरअसल, देश के अन्य राज्यों की तरह झारखण्ड में भी बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुआ है। भाजपा ने आदिवासी वोट बैंक में प्रवेश करने के लिए धर्मांतरित आदिवासियों/अनुसूचित जन जाति की आरक्षण की सुविधा न देने की मांग उठाई थी। झारखण्ड में जब उनकी सरकार थी तो मांग उठाने के अलावा कुछ नहीं कर पाए, जबकि डबल इंजन की सरकार थी। झारखण्ड सरकार ने ग्राम सभा को पेसा का कानूनी व संवैधानिक अधिकार दे दिया है। वैसे में ग्राम सभाएं और कतिपय ग्राम प्रधान धर्मांतरित हैं। उनके बीच भी अंदर- अंदर टसल है। इस प्रस्ताव और मांग को अगर मान लिया गया, तो झामुमो की बल्ले बल्ले धर्मांतरित आदिवासियों को हिन्दू धर्म में पुनर्वापसी की खबरें गाहे बगाहे आती रहती हैं, लेकिन सरना धर्मावलंबी इनकी पुनर्वापसी में अभी भी एकमत नहीं हैं, क्योंकि सरना धर्म परंपरा और विधियों की जगह नए धर्म की परंपरा विधि में चले जाते हैं।

### असम में झामुमो का अच्छा प्रदर्शन

**हेमंत** सोरेन क्षेत्रीय पार्टी से राष्ट्रीय पार्टी झामुमो को बनाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। बिहार और ओड़िशा के बाद असम और प. बंगाल में आदिवासियों शुभचिंतक बनने के लिए अपनी राजनीति का विस्तार कर रहे हैं। झामुमो 2026 के विधानसभा चुनाव में असम की दो सीटों पर दूसरे और 14 सीटों पर तीसरे स्थान पर रही है। प. बंगाल में समर्थन देने के कारण उम्मीदवार नहीं दिया था। यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि अंग्रेजों ने बड़ी संख्या में झारखण्ड के आदिवासियों को लेजाकर असम में चाय की खेती में लगाया था। अंडमान निकोबार भी ले गए थे। हेमंत सरकार इन सभी को एक सूत्र में पिरोने की कोशिश में हैं। आदिवासियों का झारखण्ड में प्रतिशत घटने की यह एक प्रमुख सभी सरना धर्मावलंबी ही रहे हैं।

### वृहद झारखण्ड

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आरंभ से ही वृहद झारखण्ड की लड़ाई लड़ती रही। और मध्यप्रदेश के झारखण्ड के समीप जिलों में आदिवासी बड़ी संख्या में मिलाकर अलग झारखण्ड राज्य की लड़ाई शुरू की थी। जयपाल सिंह मुंडा सोरेन ने इसे आगे बढ़ाया था। अब उस विरासत को हेमंत सोरेन आगे बढ़ा रहे हैं। सरना धर्म कोड का प्रस्ताव एक बेहद कारगर उपाय है। यह तय है कि केन्द्र प्रस्ताव को मानकर उन्हें हिस्से नहीं बनाने वाली है। लेकिन इससे भी है राजनीतिक लाभ ही होगा।

## संक्षिप्त

### झारखंड मंत्रालय में सीएम हेमंत से मिलीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

**रांची।** झारखंड मंत्रालय में सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शिष्टाचार मुलाकात की। यह भेंट मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में हुई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी की इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में एक-दूसरे का अभिवादन किया। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर भी सामान्य चर्चा हुई। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है और न ही किसी विशेष विषय पर विस्तृत बयान जारी किया गया है।

### डॉ. अजय पोद्दार को मंत्री बनने पर मारवाड़ी सम्मेलन की बधाई

**रांची।** झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने कुल्टी के विधायक एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अजय पोद्दार को पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर बधाई दी है। सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल सहित पदाधिकारियों ने इसे मारवाड़ी समाज और झारखंड के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। सम्मेलन ने कहा कि रांची से जुड़ाव रखने वाले डॉ. पोद्दार ने चिकित्सा, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में जनसेवा को प्राथमिकता दी है। पदाधिकारियों ने उनके सफल मंत्री कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता से जनहित और विकास कार्यों को नई दिशा देंगे।

# देर रात चला सघन वाहन जांच अभियान, नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस की सख्ती

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** राजधानी रांची में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के उद्देश्य से रविवार देर रात पुलिस ने विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। यह अभियान वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर आयोजित किया गया। अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, संवेदनशील क्षेत्रों तथा एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर व्यापक स्तर पर वाहनों की जांच की गई। इस विशेष अभियान में नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी), यातायात पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक एसपी), ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी रुरल) समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्वयं सड़क पर उतरकर निगरानी करते नजर आए। अधिकारियों ने विभिन्न जांच स्थलों

का निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी से अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर उनके कागजातों की जांच की। वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र, बीमा दस्तावेज और अन्य आवश्यक कागजात की जांच की गई। जिन वाहनों के दस्तावेज अधूरे पाए गए या यातायात नियमों का उल्लंघन करते मिले, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। रात्रि जांच अभियान के दौरान पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष कार्रवाई की। इसके लिए ब्रेथ एनालाइजर मशीन की मदद से वाहन चालकों की जांच की गई। जांच के दौरान कई चालक नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए, जिनके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। कुछ मामलों में वाहनों को भी जब्त किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। इसलिए ऐसे मामलों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में देर रात हुड़दंग मचाने, तेज रफ्तार में वाहन चलाने, स्टंटबाजी करने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से युवाओं द्वारा सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक स्टंट करने की घटनाओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करती हैं।

### झारखण्ड उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक मामले में छह आरोपितों की जमानत याचिका खारिज

रांची। झारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में जेल में बंद छह आरोपितों को सोमवार को अदालत से राहत नहीं मिली। रांची की अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद सभी आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों, केस डायरी और आरोपितों के आपराधिक इतिहास का अवलोकन करने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान आरोपितों की ओर से अदालत में दलील दी गई कि मामले में कथित धन लेन-देन को लेकर कोई ठोस और प्रत्यक्ष साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। बचाव पक्ष ने अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों का भी हवाला दिया। हालांकि, अदालत ने जांच एजेंसी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जमानत याचिकाएं अस्वीकार कर दीं। मामले में जमानत याचिका दाखिल करने वालों में आशीष कुमार, विकास कुमार, योगेश प्रसाद, रंजीत कुमार उर्फ चुनचुन, गुलाब चंद महतो और बुलबुल पांडे उर्फ राज शामिल हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, इनमें से तीन आरोपित पेपर सॉल्वर गिरोह के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे थे और अभ्यर्थियों तथा गिरोह के बीच संपर्क स्थापित करने की भूमिका निभा रहे थे। उल्लेखनीय है कि अदालत के निर्देश पर मामले के अनुसंधानकर्ता ने आरोपितों का आपराधिक रिकॉर्ड और केस डायरी अदालत के समक्ष प्रस्तुत की थी। इस बहुचर्चित मामले में अब तक लगभग 155 आरोपितों को विभिन्न चरणों में जमानत मिल चुकी है, जबकि कुछ प्रमुख आरोपित अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

### 14 जून को आयोजित होगा सेवा जागरूकता मंच का सेवा सम्मान समारोह

**रांची।** सेवा भारती, झारखंड के अंतर्गत सेवा जागरूकता मंच की एक आवश्यक बैठक बिरसा चौक स्थित सेवा निकेतन में मंच के अध्यक्ष एवं सीसीएल के पूर्व सीएमडी गोपाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में मंच के सचिव वी.एन. पांडेय ने पिछली बैठक की कार्यवाही का पठन किया तथा वर्तमान गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि समाज में अनेक छोटी-छोटी सेवा संस्थाएं तथा सेवाभावी लोग विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ऐसे सेवा समूहों और व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सेवा जागरूकता मंच द्वारा प्रतिवर्ष सेवा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 50 सेवा संस्थाओं की सूची तैयार की जा रही है, जिन्हें 14 जून 2026 को अपराह्न 3 बजे से सेवा निकेतन, रांची में आयोजित सेवा सम्मान समारोह में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। अपने अध्यक्षीय संबोधन में गोपाल सिंह ने कहा कि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा कार्यों की आवश्यकता अधिक है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा अक्सर सुप्त अवस्था में रहती है, जबकि नकारात्मक विषय शीघ्र प्रभावी हो जाते हैं। सेवा जागरूकता मंच का उद्देश्य सेवाभावी व्यक्तियों और संस्थाओं को जागरूक कर सामाजिक उन्नयन की दिशा में सार्थक प्रयास करना है। बैठक में आर.एन. चौबे, सोनी मेहता, ललन सिंह, बृजकिशोर राम, रत्नेश श्रीवास्तव एवं प्रवीण पाठक सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

### तीन जून को साइक्लोथॉन-वॉकाथॉन में दौड़ेगी रांची

**रांची।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखंड वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 1 से 5 जून तक राज्यभर में पर्यावरण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान स्वच्छता अभियान, मानव श्रृंखला, ट्रेकिंग, पक्षी अवलोकन, साइक्लोथॉन, वॉकाथॉन, चित्रकला प्रतियोगिता तथा पर्यावरण संरक्षण विषयक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण सप्ताह की शुरूआत 1 जून को रांची के लालगुटवा स्थित जैव विविधता उद्यान में विशाल स्वच्छता अभियान के साथ हुई। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। साथ ही सेव अर्थ मानव श्रृंखला बनाकर पृथ्वी संरक्षण का सामूहिक संदेश दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवनशैली और सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से प्रकृति संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत 2 जून को होरहाप इको-टूरिज्म स्थल पर स्वच्छता अभियान, ट्रेकिंग एवं पक्षी अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 3 जून को सुबह 6 बजे से वन भवन, डोरंडा से ऑक्सीजन पार्क तक साइक्लोथॉन तथा पलाश हॉल से हिनू चौक तक वॉकाथॉन का आयोजन होगा। इसमें आम नागरिक, विद्यार्थी और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग ले सकेंगे। 4 जून को पलाश हॉल में स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी, जबकि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मुख्य समारोह के साथ पर्यावरण सप्ताह का समापन किया जाएगा।

# झारखंड में फिर दिखने लगा गर्मी का असर, तापमान बढ़ा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को एक बार फिर गर्मी का असर देखने को मिला। सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण लोगों को उमस और तेज गर्मी का सामना करना पड़ा। पिछले कुछ दिनों से हुई बारिश के कारण मौसम में आई ठंडक अब धीरे-धीरे समाप्त होती नजर आ रही है। हालांकि, मौसम विभाग ने राज्यवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार झारखंड में 7 जून तक कई जिलों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसको लेकर मौसम विभाग ने

येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी दिनों में मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है, लेकिन इसके बावजूद दिन के समय गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

# बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के दो वरिष्ठ प्रोफेसर रिटायर हुए

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं पशु विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ एमके गुप्ता लगभग 37 वर्षों की सेवा के बाद 31 मई को विश्वविद्यालय सेवा से रिटायर हो गए। वह पिछले एक वर्ष से पशु चिकित्सा एवं पशुपालन संकाय के डीन का भी अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। उन्होंने कई वर्षों तक निदेशक आवासीय शिक्षा-सह-डीन, स्नातकोत्तर अध्ययन संकाय और जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्रभारी के दायित्वों का भी निर्वहन किया। सोमवार को पशु चिकित्सा महाविद्यालय में कुलपति डॉ एससी दुबे की अध्यक्षता में डॉ गुप्ता के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति ने कहा कि हमें अपने पेशा पर गर्व

होना चाहिए। अपने वरीय शिक्षकों कर्मियों के प्रति कृतज्ञता भाव रखना चाहिए।

प्रभारी डीन नामित किए गए पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ आलोक कुमार पांडेय ने स्वागत और डॉ नन्दनी कुमारी ने मानपत्र प्रस्तुत किया। संचालन डॉ अर्पणा तथा धन्यवाद डॉ सुरेश मेहता ने किया। इसी प्रकार वरिष्ठ प्रोफेसर और वनवर्धन एवं कृषि वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ एमएस मलिक ने भी 31 मई को अवकाश प्राप्त किया। वर्ष 2005 में सीधी भर्ती से प्रोफेसर नियुक्त हुए डॉ मलिक कई वर्षों से वानिकी संकाय के डीन का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे। उनके लिए वानिकी संकाय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वन उत्पाद एवं उपयोगिता विभाग के अध्यक्ष डॉ कौशल कुमार को वानिकी संकाय का प्रभारी डीन बनाया गया है। निदेशक प्रसार शिक्षा का कार्यभार संभाल रही सामुदायिक विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ रेखा सिन्हा की अस्वस्थता के कारण मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ डीके शाही को प्रभारी निदेशक प्रसार शिक्षा बनाया गया है।

# ऑल इंडिया कोल एग्जीक्यूटिव्स एसोसिएशन का वार्षिक स्थापना दिवस समारोह संपन्न

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** अखिल भारतीय कोल एग्जीक्यूटिव्स एसोसिएशन (एआईएसीई) का वार्षिक स्थापना दिवस समारोह रांची के होटल ले-लैक में आयोजित किया गया। समारोह में कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के सेवारत और सेवानिवृत्त 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीएल के सीएमडी नि?लेंदु कुमार सिंह ने अधिकारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के हितों की रक्षा और सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके बीच संवाद, सहयोग और सहभागिता

बनाए रखने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

समारोह के विशिष्ट अतिथि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के पूर्व सीएमडी ए.के. सिंह ने अधिकारियों के बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि योग ना केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इसके नियमित अभ्यास से स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन जीया जा सकता है। इस अवसर पर एआईएसीई के मुख्य प्रधान महासचिव पी.के. सिंह राठौर ने संगठन की गतिविधि, उपलब्धि और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। सदस्यों से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

# पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन को अब आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन, साउथ छोटानागपुर की वार्षिक आमसभा सोमवार को कटहल मोड़ स्थित लाल गुटवा बैंक्वेट हॉल में हुई। रांची, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, लोहरदगा के 200 से अधिक डीलरों ने तेल कंपनियों की सप्लाई नाकामी और मनमानी पर आक्रोश जताया। अध्यक्ष राजहंस मिश्रा ने कहा कि डीलर एडवांस पैसा जमा कर रहे हैं। फिर भी पंप ड्राई पड़े हैं। पहले 3 दिन का स्टॉक हाथ में रहता था। अब 3 से 4 दिन बीत जाते हैं और तेल नहीं आता। ये लापरवाही डीलरों को अव्यवस्थित कर रही है।

श्री मिश्रा ने कहा कि कंपनियां रोज मैसेज करती हैं-स्टॉक की कमी नहीं, पर ग्रामीण और हाईवे के पंप हफ्ते भर बंद हैं।

उपभोक्ता लाइन में, डीलर बदनाम। मॉनिटरिंग पूरी तरह फेल है।

राजहंस मिश्रा ने चेताया कि पारदर्शी काम नहीं हुआ तो आंदोलन की रूपरेखा तय होगी। डीलर राष्ट्र सेवा कर रहे हैं, भिखारी नहीं। सम्मान और व्यवहारिक नीति दें।

मीटिंग में 5 सूत्री मांग पत्र तेल कंपनियों को सौंपने का निर्णय लिया गया। डीलरों का एक स्वर में कहा कि अब आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए। मंच संचालन मानस सिन्हा ने किया। इस अवसर पर नीरज भट्टाचार्य, पूनम तिग्गा, कमलेश सिंह, सुदीप तिग्गा, विनीत लाल, अपूर्व पोद्दार, कुणाल कच्छप, दीपक, अमित सोनी, सुबोध दुबे, विनोद रंजन, निपुण मृणाल, प्रशांत चौधरी, प्रमोद कुमार,राहुल जायसवाल सहित 5 जिलों के 200 अधिक डीलर मौजूद रहें।

**बैठक के मुख्य मुद्दे**

- सप्लाई ठप। एडवांस के बाद भी 3-4 दिन नो सप्लाई। डिपो पर 7-8 घंटे लाइन। इंडेंट सिस्टम ध्वस्त।
- कमीशन शोषण पेट्रोल-डीजल के दाम दोगुने, कमीशन 10 साल से वही। पंप चलाना घाटे का सौदा।
- पारदर्शिता शून्य। कंपनियों ने डीलर से संवाद बंद कर दिया। स्टॉक की सच्चाई छिप रही है। कम्युनिकेशन गैप से हो रही डीलरों को दिक्कत।
- उपभोक्ता परेशान प्लास्टिक गैलन/बोतल बैन से किसान, अस्पताल, स्कूल, होटल का जनरेटर बंद। सिर्फ पेसो जेरिकेन की जिद पर पंपों पर रोज झगड़ा। इस पर उचित मार्गदर्शन ऑयल कंपनियां दें।

# आरपीएफ ने 61 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को दबोचा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से 61 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन नारकोस के तहत रांची आरपीएफ फ्लाइंग टीम, आरपीएफ पोस्ट एवं आरपीएफ की अपराध शाखा ने यह कार्रवाई की है। आरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि रांची रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18309 संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस के कोच संख्या बी-3 में तीन संदिग्ध व्यक्तियों को चार ट्रॉली बैग एवं तीन पिट्ठू बैग के साथ पाया गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने बैगों में

गांजा होने की बात स्वीकार की। ट्रेन के रवाना होने पर सभी संदिग्धों को उनके सामान सहित नामकुम रेलवे स्टेशन पर उतारकर विधिसम्मत जांच की गई। जांच के दौरान आयुष सिंह (22), प्रिंस कुमार (21) एवं अंकित पाठक (19) को गिरफ्तार किया गया। तीनों बिहार के बक्सर जिले के रहने वाले हैं। इनके पास से 61 किलो गांजा और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। रांची आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त प्रताप सिंह नेगी के निर्देशन में डीडी किट से परीक्षण करने पर बरामद पदार्थ गांजा पाया गया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 30.50 लाख रुपये आंकी गई है। बरामद गांजा एवं अन्य सामग्री को जब्त कर तीनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए लिखित प्राथमिकी के साथ जीआरपी रांची को सुपुर्द कर दिया गया।

# जियाडा के नाले पर अवैध कब्जा : स्वामी धर्मकांटा संचालक को 24 घंटे का अल्टीमेटम

**पहले भी दिए दो नोटिस, नहीं हटा तो होगी विधि सम्मत कार्रवाई : जियाडा उपनिदेशक**

**नाले पर ब्लॉक बिछाकर किया अतिक्रमण, अवैध पार्किंग की भी शिकायत**

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**आदित्यपुर।** आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित पम्मी धर्मकांटा के पास हुए हादसे के बाद जियाडा प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में नाले पर ब्लॉक बिछाकर अतिक्रमण करने के मामले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को जियाडा की टीम ने पम्मी धर्मकांटा के समीप भूमि की जांच की, जिसमें आवंटित भूमि से ज्यादा जमीन पर कब्जा पाया गया। जांच के बाद स्वामी धर्मकांटा के संचालक रवि सरोगी को 24 घंटे के भीतर ब्लॉक हटाने का निर्देश दिया गया है। पहले भी दो नोटिस, जवाब में कहा था- हटा लूंगा जियाडा के उपनिदेशक दिनेश रंजन ने बताया कि पूर्व में भी जियाडा कर्मियों द्वारा जांच कराई गई थी। जांच में पुष्टि हुई कि नाले पर ब्लॉक बिछाकर अतिक्रमण किया गया है। इस संबंध में पहले भी दो नोटिस दिए जा चुके हैं। नोटिस का जवाब में संचालक ने कहा था कि हटा लूंगा, लेकिन हटाया नहीं। अब पुनः 24 घंटे के अंदर ब्लॉक हटाने का निर्देश दिया जा रहा है। अगर नहीं हटाया गया तो जियाडा द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। जमीन आवंटन की होगी जांच संबंधित व्यक्ति को कितनी जमीन आवंटित की गई है, इस सवाल पर उपनिदेशक ने कहा, ये जांच का विषय है। जांच के बाद बता पाऊंगा कि उसको कितना आवंटन किया गया है। लेकिन यह पुष्टि हुई है कि नाले के ऊपर ब्लॉक बिछाया गया है। अवैध पार्किंग पर भी मांगा जवाब अधिकारी ने बताया कि अवैध पार्किंग करवाने को लेकर भी नोटिस भेजा जाएगा। इस संबंध में भी जवाब देना होगा। जवाब नहीं देने पर इस पर भी कार्रवाई होगी। इस पर शिकायत अभी प्राप्त हुई है। क्या है पूरा मामला कुछ दिन पहले एक लॉजिस्टिक कंटेनर धर्मकांटा पर वजन कराने पहुंची थी। इसी दौरान हाईटेंशन तार की चपेट में आने से चालक की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि अवैध अतिक्रमण के कारण जमीन का उठाव किया गया था, जिससे बिजली की तार नजदीक आ गई और करंट लगने से चालक की मौत हुई। खबर चलने के बाद स्थानीय निवासियों ने धर्मकांटा संचालक की मनमानी के आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि अतिक्रमण के कारण ही यह हादसा हुआ। सोमवार को स्थानीय नागरिकों ने बताया कि जब वे काम के लिए निकले तो संचालक के कुछ आदमियों द्वारा उन्हें डराया-धमकाया गया।

# खनन प्रभावित रैयतों को मिलेगा न्याय, मुआवजा और नियोजन पर विशेष समिति की समीक्षा

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**धनबाद।** धनबाद परिसदन में सोमवार को विधानसभा की ध्यान आकर्षण विशेष समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने किया। बैठक में बीसीसीएल, सीसीएल और ईसीएल की खनन परियोजनाओं से प्रभावित रैयत परिवारों को मुआवजा, पुनर्वास और नियोजन उपलब्ध कराने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान प्रभावित परिवारों से आवेदन भी लिए गए और विभिन्न मामलों की समीक्षा की गई। विशेष समिति के अध्यक्ष एवं टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि समिति का उद्देश्य खनन कार्यों के कारण भूमि गंवाने वाले रैयतों को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों के भूमि दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही खनन कंपनियों द्वारा उपयोग की गई सरकारी जमीन की भी समीक्षा की जा रही है। मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि बीसीसीएल की ओर से उपयोग की गई सरकारी जमीन के एवज में राज्य सरकार को लगभग 220 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

**संक्षिप्त**

### लोहरदगा रेलवे स्टेशन से रेलवे कर्मी ओमप्रकाश लापता

**लोहरदगा।** लोहरदगा रेलवे स्टेशन में कार्यरत रेलवे कर्मचारी (रेलवे ट्रैक इंजीनियर) ओमप्रकाश (41 वर्ष) के लापता होने का मामला सामने आया है। उनकी पत्नी प्रतिमा कुमारी ने अधिकारियों को आवेदन देकर पति की तलाश कराने की मांग की है। इस घटना से परिवार के लोग काफी चिंतित और परेशान हैं। महुवाडार, जिला लातेहार की रहने वाली प्रतिमा कुमारी द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार उनके पति ओमप्रकाश पिछले तीन वर्षों से लोहरदगा रेलवे स्टेशन में रेल ट्रैक इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 30 मई 2026 की सुबह करीब 7 बजे उनके पति लोहरदगा रेलवे स्टेशन से अचानक लापता हो गए। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका है।

### तंबाकू के खिलाफ छापामारी दस्ता टीम ने अभियान चलाया

**देवघर।** नगर थाना क्षेत्र के फवारा चौक, मदरसा स्कूल,सत्संग चौक एवं न्यू सदर अस्पताल के विभिन्न स्थानों पर तम्बाकू एवं उनके उत्पाद को सार्वजनिक स्थानों पर धड़ल्ले से बिक्री को नियंत्रित करने के लिए छापामारी दस्ता टीम ने अभियान चलाया। कोटपा-2003 कानून का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध छापामारी की गई। इस दौरान लगभग 24 दुकानों की जांच की गई एवं 13 दुकानदारों से 5450 रुपये जुमार्ना वसूला गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ शरद कुमार ने बताया कि कोई भी सरकारी संस्थान खास कर अस्पताल, स्कूल, कॉलेज के एक सौ मीटर के दायरे में तम्बाकू पदार्थो की बिक्री और उसके सेवन पर प्रतिबंध है। आज मुख्य रूप से अस्पताल और स्कूल के आस पास के दुकानों में छापेमारी की गई।

# अवैध खनन पर लगातार छापेमारी अभियान चलाने के दिये निर्देश

**जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा**

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**गढ़वा।** जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाहरणालय में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सोमवार को हुई। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने की। बैठक में अवैध खनन के विरुद्ध अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। आगे की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से उनके क्षेत्रों में अवैध खनन की स्थिति एवं नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की।
उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिले में किसी भी परिस्थिति में अवैध खनन स्वीकार्य नहीं होगा। पूर्व में दिए गए निदेशों के अपेक्षित अनुपालन नहीं होने पर खेद व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को सुधार लाने और अधिक प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
उपायुक्त ने कहा कि श्री बंशीधरनगर अनुमंडल के धुरकी, बिशुनपुरा, केतार एवं खरौंधी प्रखंडों में अवैध खनन से जुड़े गंभीर मामले लगातार सामने आते हैं, जो अत्यंत चिंता का विषय है। इस पर रोक लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने और कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त छापेमारी अभियान, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित क्षेत्र भ्रमण, निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा कार्रवाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने अवैध खनन एवं परिवहन से जुड़ी सड़क सुरक्षा चिंताओं को भी गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि रात्रि में अवैध खनन और परिवहन में लगी गाड़ियों की तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाएं एवं सड़क हादसे बढ़ रहे हैं, जिसकी शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने ऐसे मामलों पर कठोर कार्रवाई कर अवैध गतिविधियों को पूरी तरह रोकने के निर्देश दिए।

### पीडीजे ने हरी झंडी दिखाकर जस्टिस ऑन व्हील्स वैन को किया रवाना

**लोहरदगा।** व्यवहार न्यायालय परिसर से 1 जून, 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा ने जस्टिस ऑन व्हील्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रधान न्यायधीश कुटुंब न्यायालय श्रीमती प्रेमलता त्रिपाठी, डीजे प्रथम स्वयंभू, डीजे द्वितीय श्रीमती नीरजा आसरी सहित सभी न्यायिक पदाधिकारी, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हेमंत कुमार सिन्हा, सचिव लाल दीपक कुमार, अन्य विद्वान अधिवक्ता, एलएडीसीएस के अधिवक्ता, मध्यस्थ, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी उपस्थित थे। इस अवसर पर पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा ने कहा कि ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों तक न्याय और विधिक सेवाएं पहुंचाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। इसके माध्यम से लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही आमजन को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्राथमिकता है। वैन गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं को सुनेगी। उन्हें त्वरित एवं सुलभ न्याय प्राप्त करने में सहयोग करेगी। इस दौरान सदर प्रखंड बीडीओ ठाकुर गौरी शंकर शर्मा, एलएडीसीएस सहायक भूपेंद्र कुमार, पीएलवी अजहर अहमद, संतोष कुमार उपस्थित थे।

# भाजपा ने आयोजित की 12 साल बेमिसाल कार्यशाला

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**देवघर।** भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में 12 साल बेमिसाल, विकास, विश्वास और जनकल्याण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी यदुनंदन पाठक उपस्थित थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सचिन रवानी ने कहा कि देश की जनता ने जिस विश्वास और भरोसे के साथ नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने पिछले 12 वर्षों में अपने जीवन का हर क्षण देश सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं थी, लेकिन मोदी सरकार ने गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला और वंचित वर्गों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर शौचालय अभियान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा नल से जल योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। सचिन रवानी ने देवघर में हुए विकास कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से देवघर में एम्स, देवघर एयरपोर्ट, रिंग रोड तथा रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुए हैं।

# युवक की गला रेतकर हत्या

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**धनबाद।** जिला के झरिया क्षेत्र में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब भौरा ओपी क्षेत्र के कालीमेला स्थित लाल बंगला छठ घाट के पास एक युवक का शव बरामद हुआ। युवक की हत्या गला रेतकर किए जाने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान मोहम्मद नौशाद अंसारी के मोहम्मद दिलशाद अंसारी (20) के रूप में हुई है, जो झरिया के होरलाडीह नंबर-3 का निवासी बताया जा रहा है। शव मिलने की खबर के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटनास्थल से पुलिस ने एक हीरो पैशन प्रो बाइक, नंबर जेएच10 बीआर 1904, भी बरामद की है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया है। मृतक के चाचा वसीर अंसारी ने बताया कि घटना की जानकारी मोबाइल पर भेजी गई तस्वीर के जरिए मिली। तस्वीर देखने के बाद वे घटनास्थल पहुंचे और शव की पहचान दिलशाद अंसारी के रूप में की।

### लापता भाई-बहन का शव बरामद, 24 घंटे में नदी और कुंआ से मिला शव

**हजारीबाग।** जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र में लापता दो सगे भाई-बहन के शव बरामद किए गए हैं। 27 मई से लापता इन बच्चों के शव 24 घंटे के भीतर अलग-अलग स्थानों से मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। जानकारी के अनुसार, बहन तमन्ना परवीन (12) का शव रविवार देर शाम कोर्रा थाना क्षेत्र की सिंदूर नदी से मिला था। इसके बाद, सोमवार को उसके भाई रिजवान (03) का शव भी सिंदूर इलाके के एक कुएं से बरामद किया गया। दोनों बच्चों के अचानक गायब होने के बाद उनके पिता ने कटकमदाग थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है और हजारीबाग में खिलौने बेचकर जीवन यापन करता था। बच्चों के शव मिलने के बाद परिवार गहरे सदमे में है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस कप्तान अमन कुमार ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिया। उनके निर्देश पर एएसपी अमित कुमार की अगुवाई में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक और टेक्निकल टीमें भी जांच में जुटी हैं। हालांकि, घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी आरोपित अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। एएसपी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस टीमें तेजी से छापेमारी कर रही हैं। इधर शाम से हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए लोग झंडा चौक पर सड़क जाम कर दिया। साथ ही सभी दुकानों को भी बंद करवा दिया गया।

# सरस्वतिया नदी की सफाई, डी-सिल्टिंग एवं अतिक्रमण मुक्ति का कार्य जारी

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**गढ़वा।** जनसहभागिता एवं प्रशासनिक सहयोग से संचालित आपन सरस्वतिया अभियान के तहत सोमवार को गढ़वा शहर में लगातार आठवें दिन और मेराल क्षेत्र में दूसरे दिन सरस्वतिया नदी की सफाई, डी-सिल्टिंग एवं अतिक्रमण मुक्ति की दिशा में कार्य जारी रहा। अभियान को दोनों क्षेत्रों में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं प्रशासन का व्यापक सहयोग मिल रहा है। गढ़वा शहर में आज के अभियान में चिकित्सक डॉ. पतंजलि केसरी की विशेष भूमिका रही। इस दौरान नीरज श्रीधर स्वर्गीय, अमोद कुमार सिंह,बड्डू दुबे, सुनील बिंद, अरविंद कुमार मेहता, लाल बहादुर साव, अजय पाठक सहित लगभग एक दर्जन गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे तथा अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। नदी क्षेत्र में जमा गाद एवं कचरे को हटाने का कार्य मशीनों की सहायता से किया गया। वहीं मेराल क्षेत्र में भी आपन सरस्वतिया अभियान के दूसरे दिन सुबह से दो जेसीबी मशीनों की सहायता से नदी की सफाई एवं डी-सिल्टिंग का कार्य कराया गया। बीडीओ सह अंचलाधिकारी यशवंत नायक के नेतृत्व में सामाजिक सहभागिता से संचालित यह अभियान अब धरातल पर सकारात्मक परिणाम देने लगा है। नदी के स्वरूप में धीरे-धीरे परिवर्तन दिखाई देने लगा है। मेराल में अभियान को सफल बनाने में मुखिया रामसागर महतो, मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना राम, विधायक प्रतिनिधि डॉ. लालमोहन, पूर्व जिला परिषद सदस्य संजय भगत, समाजसेवी अतहर अली अंसारी, धनंजय चौधरी, अभियंता रोहित कुमार, कृष्ण प्रसाद कुशवाहा सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

# मंडल डैम प्रभावित परिवारों के पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**गढ़वा।** शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तरी कोयल परियोजना (मंडल डैम) से प्रभावित विस्थापित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता विकास कुमार राय ने की।
बैठक में मंडल डैम निर्माण से विस्थापित होने वाले परिवारों के लिए पुनर्वास स्थलों पर आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। गत बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन संबंधी प्रतिवेदन का अवलोकन करते हुए अपर समाहर्ता ने अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।
बैठक के दौरान पुनर्वास स्थलों पर समतलीकरण, सड़क निर्माण, सिंचाई व्यवस्था, तालाब, आंगनबाड़ी केन्द्र, सरना/मसना एवं पूजा स्थल, धुमकुड़िया भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, विद्यालय, विद्युत आपूर्ति तथा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को शीघ्र पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया।
अपर समाहर्ता ने कहा कि पुनर्वास केवल विस्थापित परिवारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पुनर्वास स्थलों एवं आसपास पहले से निवासरत ग्रामीणों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए सड़क, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, श्मशान, मंदिर, तालाब, खेल मैदान सहित सभी मूलभूत एवं विकासपरक सुविधाओं का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाए।
मंडल डैम के डूब क्षेत्र से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के संदर्भ में रंका अंचल के मौजा विश्रामपुर तथा रमकंडा अंचल के मौजा बलिगढ़ स्थित पुनर्वास स्थलों पर आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु चिन्हित स्थलों पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए गए। इसके अंतर्गत स्थल समतलीकरण, सड़क, सिंचाई, तालाब, आंगनबाड़ी केन्द्र, सरना/मसना/पूजा स्थल, धुमकुड़िया भवन, विद्युत एवं पेयजल जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने की बात कही गई।

# पलामू में दोस्त की हत्या मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

**प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि**

**पलामू,।** जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के कुदागा के मुजाहिद अंसारी (22) की हत्या उसके दोस्तों ने की थी। एक साल पहले मोबाइल फोन पर तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर साथ में काम करने वाले दोस्त सेमरा निवासी तसलीम अंसारी उर्फ सोनू (23) से विवाद हुआ था। उस समय मुजाहिद ने तस्लीम पर कैंची से हमला कर दिया था। तभी से तस्लीम मुजाहिद से बदला लेने की फिराक में था। उल्लेखनीय है कि सेमरा स्थित वन पहाड़ी जंगल से 30 मई को मुजाहिद अंसारी का शव मिला था, जबकि 27 मई की दोपहर वह गायब हुआ था। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के दो साथियों सेमरा के अमित कुमार (23) और तसलीम अंसारी उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त दो बाइक, मोबाइल फोन, खून लगे कपड़े, वारदात में इस्तेमाल पत्थर तथा घटनास्थल से मिली एक कलाई घड़ी बरामद की है। एसपी कपिल चौधरी ने सोमवार को बताया कि मुजाहिद हत्याकांड के उद्भेदन के लिए सदर एसडीपीओ राजेश यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि मुजाहिद और तस्लीम छत्तीसगढ़ के रायपुर में कूलर बनाने का काम करते थे और साथ रहते थे। करीब एक साल पहले मोबाइल फोन पर तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर मुजाहिद और तस्लीम के बीच मारपीट हुई थी। उस समय मुजाहिद ने तस्लीम पर कैंची से हमला कर दिया था। तभी से तस्लीम मुजाहिद से बदला लेने की फिराक में था। कुछ दिन पहले ही दोनों गांव लौटे थे। इसी दौरान तस्लीम ने अपने साथी अमित कुमार के साथ मिलकर मुजाहिद की हत्या की साजिश रची। अमित की पहचान मुजाहिद से भी थी। अमित मुजाहिद को शराब पीने के बहाने सेमरा के जंगल में ले गया, जहां पहले से मौजूद तस्लीम ने पत्थर से सिर कूचकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद शव को जंगल में छोड़ दिया।

# दस लाख रुपये का प्रतिबंधित डोडा बरामद, पंजाब के तस्करों के मंसूबों पर चतरा पुलिस ने फेरा पानी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**चतरा।** पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 80 किलोग्राम प्रतिबंधित डोडा बरामद किया है। बरामद डोडा की अनुमानित कीमत करीब दस लाख रुपये बताई जा रही है। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि सूचना थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के हरदीपुर गांव स्थित जोरदाग टोला में भारी मात्रा में डोडा संग्रहित कर पंजाब भेजने की तैयारी की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया नागर गोजे शुभम भाऊ साहेब के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हरदीपुर के जोरदाग टोला में छापेमारी की, जहां तस्कर चंदन यादव के घर के समीप झाड़ियों में छिपाकर रखा गया लगभग 80 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही पंजाब से खरीदारी के लिए पहुंचे तस्कर, उसका सहयोगी तथा जायलो वाहन का चालक मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। डीएसपी मुख्यालय ने बताया कि मामले में लावालौंग थाना में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सुनील कुमार सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चतरा पुलिस मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। नशे का कारोबार करने वाले लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि तस्कर स्वयं इस अवैध धंधे से दूरी बना लें, अन्यथा पुलिस उन्हें चिन्हित कर कानून के शिकंजे में लाएगी। जिले में सक्रिय हर तस्कर पुलिस की निगरानी में है और जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। छापेमारी दल में लावालौंग थाना के सहायक अवर निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

# हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**पूर्वी सिंहभूम।** उलीडीह थाना क्षेत्र में हुए चर्चित विकास सिंह हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उलीडीह आदिवासी क्लब के समीप रहने वाले सूरज कुंटिया उर्फ साधु कुंटिया (24) और राजू कुंभकार (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, धारदार चाकू, मच्छरदानी तथा खून लगी मिट्टी भी बरामद की है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडेय ने बताया कि शंकोसाई रोड नंबर-2 निवासी विकास सिंह की हत्या सुनियोजित साजिश के तहत की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि इस हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और बदले की भावना मुख्य कारण थी। एसएसपी ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व सौरभ शर्मा उर्फ पवन शर्मा की हत्या कुंवर सिंह विद्यालय परिसर में हुई थी। उस मामले में मृतक विकास सिंह के छोटे भाई विक्की सिंह उर्फ अप्पा राव और उसके साथियों का नाम सामने आया था। सौरभ शर्मा की हत्या के बाद उसके परिजनों और करीबियों में गहरा आक्रोश था। इसी घटना का बदला लेने के उद्देश्य से सौरभ शर्मा के मौसेरे भाई राजू कुंभकार ने अपने सहयोगी सूरज कुंटिया के साथ मिलकर विकास सिंह की हत्या की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, 30 मई की रात करीब नौ बजे दोनों आरोपितों ने विकास सिंह को नशा करने के बहाने उलीडीह बस्ती स्थित एक झोपड़ीनुमा खंडहर मकान में बुलाया।

## संक्षिप्त

### चाईबासा चेंबर का रजत जयंती समारोह नवंबर में

**पश्चिमी सिंहभूम।** चाईबासा चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज की 155 वीं कार्यसमिति बैठक सोमवार को स्थानीय टिप्सी रेस्टोरेंट में अध्यक्ष संजय चौबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, व्यापारिक हितों, सामाजिक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सदस्यता विस्तार अभियान की समीक्षा करते हुए बताया गया कि हाल ही में चलाए गए अभियान के तहत 13 महिला और 109 पुरुष व्यवसायियों सहित कुल 122 नए सदस्य संगठन से जुड़े हैं। सामाजिक दायित्वों के तहत बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में रक्त की कमी की समस्या को देखते हुए जुलाई माह में चाईबासा चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नागरिकों, युवाओं, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों से रक्तदान अभियान में भागीदारी की अपील की गई।

### गले में फंसी मछली, डॉक्टरों की तत्परता से बची मरीज की जान

**पश्चिमी सिंहभूम।** सदर अस्पताल में सोमवार को चिकित्सकों की त्वरित कार्रवाई और कुशल उपचार का एक प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला। गले में पूरी मछली फंस जाने से गंभीर स्थिति में पहुंचे एक मरीज को डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक उपचार देकर नई जिंदगी दी। जानकारी के अनुसार, मछली खाने के दौरान अचानक पूरी मछली मरीज के गले में अटक गई। इसके बाद उसे सांस लेने में कठिनाई होने लगी और भोजन निगलना भी लगभग असंभव हो गया। स्थिति लगातार बिगड़ती देख परिजन उसे तत्काल सदर अस्पताल के आपातकालीन विभाग लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मामले की गंभीरता को समझते हुए बिना देरी उपचार शुरू कर दिया। आपातकालीन विभाग में ड्यूटी पर मौजूद डॉ प्रदीप कुमार और उनकी टीम ने मरीज की सावधानीपूर्वक जांच की। अनुभव और सूझबूझ का परिचय देते हुए चिकित्सकों ने गले में फंसी मछली को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने की प्रक्रिया अपनाई। कुछ ही देर की मेहनत के बाद टीम को सफलता मिली और गले में फंसी पूरी मछली निकाल ली गई।

# खराब प्रदर्शन वाले बैंकों में सरकारी राशि नहीं रखने पर होगा विचार : वित्त मंत्री

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**पलामू।** वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समीक्षा बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रदर्शन, ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेश्यो), शाखा विस्तार, वार्षिक ऋण योजना तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय, एसएलबीसी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री ने जिले के वर्तमान सीडी रेश्यो 36 प्रतिशत रहने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछली समीक्षा बैठक में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत था, जबकि चार माह के दौरान इसमें वृद्धि होने के बजाय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि बैंकों का दायित्व केवल जमा राशि बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर ऋण प्रवाह बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों को गति देना भी है। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जिन बैंकों का सीडी रेश्यो लगातार खराब रहेगा, उनमें सरकारी राशि रखने के विषय में पुनर्विचार किया जाएगा। मंत्री ने सभी बैंकों की जमा राशि, ऋण वितरण एवं लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए बैंकवार प्रदर्शन का आकलन किया। उन्होंने कृषि, स्वरोजगार एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए ऋण वितरण में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के बैंकिंग नेटवर्क की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में विभिन्न बैंकों की कुल 145 शाखाएं संचालित हैं। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जिन बैंकों की जिले में केवल एक या सीमित शाखाएं हैं, उन्हें नए शाखा विस्तार पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पलामू एक आकांक्षी जिला है और इसके समग्र विकास में बैंकिंग संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा वार्षिक ऋण योजना, बकाया अग्रिम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति ऋण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, बैंक मित्र (बीसी) नेटवर्क और सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने बैठक में बैंकों से समन्वय स्थापित कर वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने का आग्रह किया। बैठक में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, ऋण वितरण में सुधार लाने और सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

### धूमधाम से आयोजित हुआ कॉम्पाट मुंडा 12 मौजा पड़हा जतरा

**खूंटी।** कर्रा प्रखंड के राजागढ़ स्थित छाता सरना मैदान में सोमवार को कॉम्पाट मुंडा 12 मौजा धनवार बाबा किलि पड़हा जतरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के महिला-पुरुष, युवा और पारंपरिक नृत्य दल शामिल हुए। जतरा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शनिचराय भेंगरा एवं विशिष्ट अतिथि अमृता मुंडा उपस्थित रहीं। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों, खोड़हा मंडलियों और आदिवासी मूलवासी भाई-बहनों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, मांदर की थाप और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का मन मोह लिया. कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पड़हा नव्यवस्था, आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। आयोजन के दौरान अनुशासन बनाए रखने की अपील की गयी और आयोजन स्थल पर शराब की खरीद-बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रखी गयी। समिति की ओर से विभिन्न गांवों से पहुंचे नृत्य दलों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में एदेल संगा पड़हा महारानी अमृता मुंडा, सचिव विरेन्द्र धान, देवान दुबिया मुंडा, हेरेंज पड़हा कार्यवाही राजा हरीनाथ हेरेंज सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सचिव फ्रेंकलिन धान, छाता पंचायत मुखिया सुखराम मुंडा, आलोक मुंडा, विश्वनाथ मुंडा, विलियम धान, दीपक धान, गंदुर भगत, फागु धान, बिरसी धान, मरियम धान, चांदू धान, लुदू धान, सनिका धान सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### भ्रष्टाचार की भेट चढ़ा हर घर नल जल योजना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**हंटरगंज (चतरा)।** जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत पाण्डेयपुरा मुख्य बाजार सरकार की महत्वकांक्षी नल जल योजना के लाभ से वंचित है।इस मुद्दे पर ग्रामीणों ने अपनी राय देते हुए बताया की नल जल योजना की जब शुरूआत हुई तो ऐसा लगा की अब हर घर मे इसका पानी निर्बाध मिलेगा पर ऐसा नही हो पाया।पाण्डेयपुरा मे योजना मे हुए घोर भ्रस्टाचार के चलते लोगो के दरवाजे पर लगे नल आज तक कभी नही चल पाया।संवेदको के द्वारा योजना के कार्य मे घोर अनियमितता बरती गयी जिसका नतीजा ये है की कार्य पूर्ण होने के बाद आज तक लोगो को इस योजना का लाभ नही मिला।स्थिति ये है की योजना मे ऐसी निम्न गुणवत्ता वाले सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है की हफ्ते भर मे ही जवाब दे गये। ग्रामीणों ने ये भी बताया की इसकी शिकायत भी की गयी पर हमारी शिकायतो पर भ्रस्टाचार भारी पड़ गया।क्षेत्र मे खानापूर्ति और पैसे की निकाशी कर के जगह जगह जलमीनार खड़े तो कर दिये गये पर बस मीनार ही है जल का नामोनिशान तक नही है। ग्रामीणों का ये भी कहना है।

### डायन होने के शक में महिला की गला रेतकर हत्या, आरोपित गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि



**पश्चिमी सिंहभूम।** पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के खंडखोरी गांव में डायन होने के शक में 47 वर्षीय महिला शुरू गोप की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के आरोपित पुदुवा सिंकू उर्फ चौके को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद गांव में भय और तनाव का माहौल है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात शुरू गोप अपने घर में छोटे बच्चों के साथ थीं। उनके पति देवेंद्र गोप और परिवार के अन्य सदस्य ओडिशा के गेरेया मंजर गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इसी दौरान गांव निवासी पुदुवा सिंकू उर्फ चौके उनके घर पहुंचा। मृतका के बच्चों ने पुलिस को बताया कि आरोपित हड़िया पिलाने के बहाने उनकी मां को अपने साथ ले गया था। बच्चों के अनुसार, कुछ समय बाद उन्हें अपनी मां की चीख सुनाई दी, लेकिन डर के कारण वे घर के अंदर ही बंद होकर छिपे रहे। रात में जब परिवार के अन्य सदस्य लौटे तो शुरू गोप घर पर नहीं मिलीं। इसके बाद परिजनों ने आसपास के इलाकों में उनकी तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह मृतका का बेटा जंगल की ओर दातुन तोड़ने गया था। इसी दौरान उसकी नजर अपनी मां के शव पर पड़ी। शव देखकर उसने परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर कुमारडुंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

### प्रतापपुर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: अवैध केंदू पत्ता लदा पिकअप वाहन जब्त

**चतरा।** जिले के प्रतापपुर में वन विभाग की टीम ने अवैध केंदू पत्ता के काले कारोबार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर आसनाही गांव में छापेमारी कर पुलिस ने बीड़ी पत्ता लोड कर रहे एक पिकअप वाहन को 16 बोरा अवैध केंदू पत्ता के साथ जब्त किया है। प्रतापपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में इन दिनों बिना किसी वैध लाइसेंस या ठडउ के अवैध केंदू पत्ता खरीद-बिक्री का धंधा जोरों पर है। फर्जी ठेकेदार गरीबों से कम दाम में पत्ता खरीदकर, उसे झारखंड-बिहार बॉर्डर पर सुखाते हैं और बिहार के गया (बांके बाजार) के ठेकेदारों को ऊंचे दामों में बेचकर मालामाल हो रहे हैं। इसी बीच वनरक्षी संजय कुमार को मिली गुप्त सूचना पर वन विभाग की टीम ने आसनाही गांव में दबिश दी।कार्रवाई के दौरान तस्कर 16 बोरा पत्ता पिकअप पर लोड कर रहे थे। वन विभाग को आता देख चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। जांच में पता चला कि नई पिकअप गाड़ी हरहद गांव निवासी सुरेश यादव की है, जबकि तस्करी में सलखुआ निवासी भूपेंद्र सिंह का नाम सामने आ रहा है। वनरक्षी संजय कुमार ने बताया कि जब्त वाहन और पत्ता को वन कार्यालय लाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध कारोबारी सावधान हो जाएं, वन विभाग की पैनी नजर हर फर्जी ठेकेदार पर है। अब देखना यह है कि विभाग इस कार्रवाई के बाद अन्य सक्रिय माफियाओं पर कब शिकंजा कसता है।

### फायरिंग के चार आरोपित हथियार के साथ गिरफ्तार

**पूर्वी सिंहभूम।** गोलमुरी थाना क्षेत्र में मई महीने के अंतिम सप्ताह में हुई दो अलग-अलग फायरिंग की घटनाओं का खुलासा करते हुए जमशेदपुर पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया हथियार, जिंदा कारतूस और एक चोरी की बाइक भी बरामद की है। सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडे ने बताया कि 26 और 27 मई की रात गोलमुरी थाना क्षेत्र में फायरिंग की दो घटनाएं हुई थीं। इन मामलों में गोलमुरी थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच और छापामारी टीम का गठन किया गया।

# चतरा में दिशा की बैठक, विकास योजनाओं और पूर्व निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा

**लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश**

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**चतरा।** समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में चतरा सांसद सह अध्यक्ष जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) कालीचरण सिंह की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 24 दिसंबर 2025 को आयोजित दिशा समिति की बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की विभागवार समीक्षा की गई तथा विभिन्न विकास योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में सांसद, क्षेत्रीय विधायकों, जिला परिषद अध्यक्षा एवं नगर परिषद अध्यक्ष का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत अनुपालन प्रतिवेदन की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना, ग्रामीण कार्य विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, विद्युत विभाग, भूमि संरक्षण, शिक्षा विभाग, आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खनन विभाग, जिला परिषद, सहकारिता विभाग एवं इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड से संबंधित मामलों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में सड़क, पुल-पुलिया एवं अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इटखोरी क्षेत्र में निमार्णाधीन पुल के संबंध में विभागीय अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि शेष प्रक्रियाएं पूर्ण करते हुए कार्य को शीघ्र गति प्रदान की जाएगी। इस पर माननीय सांसद ने आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निमार्णाधीन परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि कुछ योजनाएं वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृतियों के कारण लंबित हैं।

# बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने मौजूदा सांसद और विधायक की कार्य शैली पर उठाये सवाल

**सांसद और विधायक जन अपेक्षाओं की कर रहे घोर उपेक्षा : उमाशंकर अकेला**

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**चौपारण (हजारीबाग)।** बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने सोमवार को अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में बरही विधायक मनोज कुमार यादव और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल पर जमकर निशाना साधा,उन्होंने आरोप लगाया कि उनके विधायक कार्यकाल में स्वीकृत कराई गई विकास योजनाओं का शिलान्यास कर वर्तमान जनप्रतिनिधि जनता के बीच श्रेय लेने की राजनीति कर रहे हैं, जबकि क्षेत्र की मूलभूत समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं।पूर्व विधायक ने कहा कि जिन योजनाओं की स्वीकृति, प्रशासनिक प्रक्रिया उनके कार्यकाल में रखी गई थी,आज उन्हीं योजनाओं का उद्घाटन कर उन्हें अपनी उपलब्धि बताया जा रहा है। जबकी इन योजनाओं की निविदा 30/12/24 को अखबार मे निकाली गई थी। तो डेढ़ साल तक इन योजनाओं को क्यों दबाया गया, ताकी ये लोग इन योजनाओं का श्रेय ले सके। उन्होंने आगे कहा कि जनता को गुमराह करने के बजाय यह बताया जाना चाहिए कि इन योजनाओं को क्षेत्र में लाने के लिए किसने प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों पर राजनीति करने के बजाय जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अपनी जवाबदेही निभानी चाहिए।
उमाशंकर अकेला ने कहा कि आज क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली है। दनुआ घाटी जैसे दुर्घटना संभावित जोन में अब तक ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्था नहीं हो सकी है। अस्पतालों में पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और चिकित्सकों की अनुपस्थिति से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वे जल्द ही स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मिलेंगे।प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने भगहर क्षेत्र में कथित अवैध शराब कारोबार पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि भगहर क्षेत्र में किसके संरक्षण मे खुलेआम अवैध शराब का धंधा चल रहा है और विधायक के आदमी इस कार्य को कर रहें हैं,और इससे जुड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं हो रही है।उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।बालू उठाव के मुद्दे पर पूर्व विधायक ने स्थानीय विधायक को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि क्षेत्र में प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू का उठाव किया जा रहा है, लेकिन इसकी निगरानी और जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

# तालाब बचाने को लेकर अनिश्चितकालीन धरना

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

**पूर्वी सिंहभूम।** जिले के बोड़ाम प्रखंड अंतर्गत मिजार्डीह गांव में तालाब और सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर झारखंड मानवाधिकार संघ ने सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जिस तालाब को बचाने और अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन से शिकायत की गई थी, उसी तालाब को मिट्टी भरकर समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। संघ के कोल्हान प्रभारी राधाकृष्ण सिंह मुंडा ने बताया कि 05 मई को उपायुक्त को आवेदन देकर मिजार्डीह गांव स्थित तालाब और सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी। उपायुक्त के निर्देश पर अपर उपायुक्त ने बोड़ाम अंचल कार्यालय को कार्रवाई का निर्देश भी दिया था, लेकिन अतिक्रमण हटाने के बजाय तालाब में मिट्टी भराई शुरू हो गई। सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जब संगठन के कार्यकर्ता तालाब स्थल पहुंचे तो वहां जेसीबी और ट्रैक्टर की मदद से मिट्टी भराई का काम चल रहा था। ग्रामीणों के अनुसार यह कार्य करीब एक सप्ताह से जारी था। संघ ने आरोप लगाया कि मिजार्डीह मौजा के खाता संख्या 38 स्थित तालाब और रास्ते पर आनंद विहार पी एंड डेवलपर प्रा लि के संचालक सीएल अग्रवाल की ओर से वर्षों से अतिक्रमण किया गया है।

## संपादकीय

### विश्वसनीयता पर सवाल

**देश** की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट-यूजी एक बार फिर प्रश्नपत्र लीक प्रकरण के कारण विवादों के केंद्र में है। इस घटना ने केवल परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया है, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के विश्वास को भी गहरा आघात पहुंचाया है, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के बल पर इस परीक्षा में भाग लिया था। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा को रद्द करने का निर्णय यह दशार्ता है कि परीक्षा संचालन से जुड़ा तंत्र अपनी मूल जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। चिंताजनक तथ्य यह है कि पूर्व में भी ऐसी घटनाएं सामने आने के बावजूद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) कोई ऐसा प्रभावी तंत्र विकसित नहीं कर सकी, जो परीक्षा की शुचिता को पूरी तरह सुनिश्चित कर सके। परिणामस्वरूप, कुछ असामाजिक तत्वों और संगठित गिरोहों की करतूत का खामियाजा करोड़ों रुपये खर्च कर तैयारी करने वाले लाखों छात्रों को भुगतना पड़ा। इस पूरे प्रकरण के बाद सबसे गंभीर सवाल व्यवस्था की विश्वसनीयता पर खड़ा होता है। खबरें हैं कि आगामी परीक्षा में प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए वायुसेना की सहायता लेने पर विचार किया गया है। यदि ऐसा होता है, तो यह देश की किसी प्रमुख प्रवेश परीक्षा के संचालन में सशस्त्र बलों की औपचारिक भागीदारी का अभूतपूर्व उदाहरण होगा। यह स्थिति कहीं न कहीं इस आशंका को भी जन्म देती है कि क्या सरकार और परीक्षा संचालन एजेंसियों का अपने ही प्रशासनिक एवं सुरक्षा तंत्र पर भरोसा कम हो गया है? यद्यपि यह स्पष्ट किया गया है कि सेना या वायुसेना की भूमिका केवल सुरक्षित परिवहन, लॉजिस्टिक सहयोग और आपात परिस्थितियों तक सीमित रहेगी, फिर भी यह प्रश्न बना रहता है कि आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के इस दौर में परीक्षा प्रश्नपत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी असाधारण व्यवस्था की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। वास्तव में समस्या केवल प्रश्नपत्र लीक होने तक सीमित नहीं है। इससे कहीं अधिक गंभीर विषय युवाओं का टूटता विश्वास है। जब एक विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करने के बाद परीक्षा में बैठता है और बाद में उसे पता चलता है कि कुछ लोगों ने धनबल और अवैध माध्यमों से उसी परीक्षा को प्रभावित किया, तो उसके मन में व्यवस्था के प्रति स्वाभाविक रूप से निराशा पैदा होती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और प्रतिभा-आधारित व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है।

# जीवन, श्रम और बुनियादी ढांचे को एक साथ चुनौती दे रही है गर्मी

**शालू अग्रवाल**

बीते दस साल पूरी दुनिया में अब तक के सबसे गर्म साल रहे हैं। हमने अपने आसपास की जलवायु को भी बदल दिया है। हमने अपने घर और शहर बनाने का तरीका, अपनी जीवनशैली और प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को भी बदल दिया है। इसकी वजह से बढ़ती गर्मी के हिसाब से खुद को ढालना अब हमारे लिए और भी मुश्किल हो गया है। असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच क्रेविस पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है। वर्ष 2010 में दिल्ली में जहां हर साल सोलह बहुत गर्म रातें होती थीं, वहीं उच्च उत्सर्जन की स्थिति में वर्ष 2050 तक इनकी संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष इक्यावन हो सकती है। इसका इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। शरीर और शहर, दोनों को रात के वक्त दिन की गर्मी से राहत नहीं मिल पाती है। इससे वातानुकूलन या ठंडक देने वाली सुविधाओं के बगैर कम हवादार इमारतों में रहने या इनमें काम करने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर डालता है। तीसरा, गर्मी के मौसम में उमस (आर्द्रता) बढ़ रही है। ऐसा उत्तर भारत और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में विशेष रूप से देखा जा रहा है।

**ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा कर चुके हैं घोषित :** गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस मूक आपदा का प्रभावी तरीके से सामना करने में चार कदम उपयोगी साबित हो सकते हैं। सबसे पहले, शहरी प्रशासकों को गर्मी का सामना करने के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनानी होंगी। गर्मी का असर सभी जगहों पर एक जैसा नहीं होता है। यह स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढांचे की स्थितियों के अनुसार अलग-अलग होता है। इसलिए स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर योजना बनाना बहुत जरूरी है। इसका उदाहरण महाराष्ट्र का ठाणे नगर निगम है, जहां पिछले दो वर्षों से हीट एक्शन प्लान लागू है।

यह योजना बताती है कि गर्मी से बचाव के लिए कब, कहां और किसे कदम उठाना है। इसके तहत ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों का अध्ययन करके गर्मी के जोखिम का पता लगाया गया और फिर उसके आधार पर अलग-अलग वार्डों को चिह्नित किया गया। इसके अलावा, महसूस होने वाली गर्मी और रात्रिकालीन तापमान के आधार पर प्रत्येक वार्ड में स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी जारी करने के लिए तापमान की सीमा भी तय की गई। ठाणे शहर में इस योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों का एक संयुक्त कार्यबल बनाया गया है। इसके पास अलग से बजट भी है। लू चलने पर यह कार्यबल सुनिश्चित करता है कि ठाणे शहर में निशुल्क प्याऊ लगाए जाएं, अधिक भीड़-भाड़ वाले चौराहों, जहां पर लोगों को यातायात संकेतकों की वजह से देर तक रुकना पड़ता है, वहां हरित छांव की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए वार्ड स्तर पर गर्मी से बचाव के उपायों पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा सकता है। ऐसी कार्ययोजना को भीषण गर्मी की चुनौती से जूझ रहे सभी शहरों में लागू करने की जरूरत है। दूसरा, सभी कारोबारों को अपने व्यवसाय से जुड़ी योजनाओं में गर्मी से बचाव को शामिल करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी और उमस के कारण लोग ठीक से काम नहीं कर पाएंगे, यानी कामकाजी घंटों का नुकसान होगा। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसद के बराबर नुकसान हो सकता है। वर्ष 2025 में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और नियोक्ताओं को परामर्श जारी किया था। इसमें श्रमिकों, खासतौर पर खुले स्थान पर और कठिन परिश्रम करने वालों को गर्मी से बचाने वाले उपायों को लागू करने के लिए कहा गया था।

गर्मी से न केवल श्रमिकों की सेहत, बल्कि मशीनों की कार्यक्षमता, आपूर्ति श्रृंखला और पानी तथा ऊर्जा का बजट भी प्रभावित होता है। कई भारतीय कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसमें गर्मी के खतरे से ज्यादा प्रभावित लोगों की पहचान की गई है। आराम के लिए छायादार जगह बनाने, लगातार पानी पीते रहने का नियम और काम करने की पालियों में बदलाव लागू किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को तत्काल बड़े पैमाने पर लागू करने की जरूरत है। तीसरा, बिजली कंपनियों को अपने बिजली संयंत्र और नेटवर्क को गर्मी से सुरक्षित बनाना होगा। भीषण गर्मी से बचाव में भरोसेमंद और किफायती बिजली आपूर्ति की अहम भूमिका है। हर साल लू चलने के साथ लोग बड़ी संख्या में एसी और कूलर खरीदते हैं। गर्मी, उमस और बिजली में नई मांग आने के कारण विद्युत वितरण नेटवर्क और ट्रांसफार्मर पर अचानक बोझ बढ़ जाता है। वर्ष 2025 में अत्यधिक बोझ और नमी आने के कारण लगभग दस फीसद, यानी तेरह लाख ट्रांसफार्मर खराब हो गए थे। इसके समाधान के लिए ये कदम उठाए जा सकते हैं- पहला, बिजली कंपनियों को अत्यधिक गर्मी वाले क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को पहले से मजबूत करना चाहिए। दूसरा, बिजली कंपनियों को बिजली की मांग का आकलन करते समय रात के समय के अधिक तापमान और एसी के अधिक इस्तेमाल को भी ध्यान में रखना चाहिए। तीसरा, बिजली की बहुत अधिक मांग एक साथ न आए, इसके लिए अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग बिजली दरों की व्यवस्था को लागू करने जैसे सुधार करने चाहिए। चौथा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से भी बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सरकारों को सार्वजनिक और निजी निवेशों को गर्मी से बचाव के उपायों की दिशा में ले जाना होगा। साथ ही, गरीब और कमजोर वर्गों, फसलों, पशुओं, जंगलों और घरों, स्कूलों व अस्पतालों को लंबी गर्मी से बचाने के उपाय भी खोजने होंगे। प्रत्येक सरकारी योजना में गर्मी से बचाव की रणनीति को शामिल कर इसकी शुरूआत की जा सकती है, लेकिन व्यापक समाधानों को पाने के लिए निजी निवेश को शोध और विकास के साथ-साथ तापरोधी फसलों, निर्माण सामग्री और ऊर्जा कुशल शीतलन तकनीकों के व्यवसायीकरण की दिशा में मोड?ा होगा। हर साल भारत का गर्मी के साथ रिश्ता बदल रहा है, लेकिन गर्मी का सामना करने की क्षमता विकसित करना न तो आसान होगा, न ही सस्ता। ऐसे में अगर राष्ट्रीय स्तर पर जनभागीदारी आए, तो यह इसका सामना करने के लिए अच्छी तरह तैयार होने में मदद कर सकता है। देश में भीषण गर्मी के बीच मॉनसून को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। मौसम विभाग ने अपने नए अनुमान में कहा है कि इस साल भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान लंबी अवधि की औसत बारिश का करीब 90 फीसदी बारिश हो सकती है। यानी इस बार मॉनसून सामान्य से थोड़ा कमजोर रह सकता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को जारी अपने दूसरे मॉनसून पूवार्नुमान में बताया कि पूर्वोत्तर भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है। इससे पहले 13 अप्रैल को जारी पहले अनुमान में मौसम विभाग ने 92 फीसदी बारिश का अनुमान जताया था, जिसे अब घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है।

**- लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।**

> *यह योजना बताती है कि गर्मी से बचाव के लिए कब, कहां और किसे कदम उठाना है। इसके तहत ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों का अध्ययन करके गर्मी के जोखिम का पता लगाया गया और फिर उसके आधार पर अलग-अलग वार्डों को चिह्नित किया गया। इसके अलावा, महसूस होने वाली गर्मी और रात्रिकालीन तापमान के आधार पर प्रत्येक वार्ड में स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी जारी करने के लिए तापमान की सीमा भी तय की गई। ठाणे शहर में इस योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों का एक संयुक्त कार्यबल बनाया गया है। इसके पास अलग से बजट भी है। लू चलने पर यह कार्यबल सुनिश्चित करता है कि ठाणे शहर में निशुल्क प्याऊ लगाए जाएं, अधिक भीड़-भाड़ वाले चौराहों, जहां पर लोगों को यातायात संकेतकों की वजह से देर तक रुकना पड़ता है, वहां हरित छांव की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए वार्ड स्तर पर गर्मी से बचाव के उपायों पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा सकता है।*

# नींव कमजोर तो इमारत कैसे मजबूत होगी

**राजेंद्र जोशी**

भारत ने वर्ष 2015 में अपनाए गए सतत विकास एजेंडा-2030 के अंतर्गत सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने तथा जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। नई शिक्षा नीति में भी इस लक्ष्य को प्रमुखता दी गई है। इसके लिए संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को पुनर्गठित कर अधिगम को प्रभावी बनाने की आवश्यकता होगी। अगर भारत वास्तव में 2030 तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है, तो उसे सबसे पहले प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। विडंबना यह है कि वर्ष 2026 तक भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। नई शिक्षा नीति में दावा किया गया था कि सभी विद्यार्थियों को, चाहे उनका निवास स्थान कहीं भी हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही हाशिये पर रह रहे समुदायों, वंचित तथा अल्प-प्रतिनिधित्व वाले समूहों पर विशेष ध्यान देने का संकल्प भी लिया गया था। वास्तव में प्राथमिक शिक्षा उन्हीं बच्चों के लिए सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है, जो किसी कारणवश विद्यालय की चौखट तक नहीं पहुंच पाते। शिक्षा पर सभी का समान अधिकार है, लेकिन सरकारें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अधिकतर उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा पर ही ध्यान केंद्रित करती रही हैं। स्वतंत्रता के बाद प्राथमिक शिक्षा को अपेक्षित महत्त्व नहीं मिल पाया। प्राथमिक शिक्षा के अध्यापकों और विद्यार्थियों की समस्याओं की ओर भी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। जबकि किसी भी देश की वास्तविक नींव उसके बच्चे होते हैं। अगर यह नींव कमजोर होगी, तो पूरा देश कमजोर होगा। नींव मजबूत होगी, तो बीच में स्कूली पढ़ाई छोड? की दर अपने आप कम होगी और भविष्य अधिक सशक्त बनेगा। एक बेहतर और बौद्धिक रूप से विकसित राष्ट्र के लिए ऐसी शैक्षणिक संस्थाओं का होना आवश्यक है, जहां प्रत्येक विद्यार्थी का स्वागत हो, उसकी देखभाल की जाए, उसे सुरक्षित तथा प्रेरणादायक वातावरण मिले। ऐसी संस्थाओं को सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे और उपयुक्त संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

शिक्षा के मूलभूत सिद्धांत केवल उच्च स्तर पर ही सुनिश्चित नहीं होने चाहिए, बल्कि प्राथमिक शिक्षा तथा अभिभावकों को भी बच्चों की क्षमताओं के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा बच्चों के सीखने की नींव होती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बच्चों के मस्तिष्क का लगभग नब्बे फीसद विकास छह वर्ष की आयु से पहले हो जाता है। इसलिए बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा आवश्यक है, जो आज भी करोड़ों बच्चों के लिए दूर की कौड़ी बनी हुई है। भारत में प्राथमिक शिक्षा और उसकी देखभाल के लिए नई शिक्षा नीति में संकल्प तो लिए गए, लेकिन उनका ढांचा खड़ा नहीं हो पाया है। यह परिकल्पना की गई थी कि पांच वर्ष की आयु से पहले प्रत्येक बच्चा बालवाटिका या प्रारंभिक कक्षा से जुड़ जाएगा, जहां प्रशिक्षित ईसीसीई शिक्षक खेल-आधारित शिक्षा के माध्यम से बच्चों में संख्यात्मक, भावनात्मक और शारीरिक क्षमताओं के साथ प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्या ज्ञान विकसित करेंगे। यह परिकल्पना सही मायनों में प्रारंभ भी नहीं हो सकी है। जहां बालवाटिकाएं बनाई जा रही हैं, वहां प्रशिक्षित शिक्षक नहीं हैं और कई स्थानों पर शिक्षकों की नियुक्ति केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

सरकारें प्राथमिक शिक्षा को अक्सर इस दृष्टि से देखती हैं कि बच्चा घर से ही स्वाभाविक रूप से तैयार होकर विद्यालय आएगा, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। सरकार को समय रहते गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा का एक प्रभावी ढांचा विकसित करना होगा। ईसीसीई शिक्षकों का अलग प्रारंभिक वर्ग तैयार करना आवश्यक है। बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और जांच की भी व्यवस्था होनी चाहिए। बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान सीखना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही आगे की स्कूली शिक्षा और जीवनपर्यंत सीखने की आधारशिला है। वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयों में बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थी हैं, जिनकी अनुमानित संख्या पांच करोड़ से अधिक बताई गई है, जो बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान तक प्राप्त नहीं कर सके हैं। जब तक प्राथमिक शिक्षा पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक बच्चों में सामान्य लेख पढ़ने, समझने और अंकों के साथ बुनियादी जोड़-घटाव करने की क्षमता विकसित नहीं हो सकेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने वर्ष 2025 तक प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन वर्ष 2026 तक भी यह अभियान प्रभावी रूप से प्रारंभ नहीं हो पाया है। सीखने की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा किए बिना शिक्षा नीति के अन्य लक्ष्य अप्रासंगिक सिद्ध होंगे। इसलिए सरकार को प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए तत्काल प्रभाव से ठोस क्रियान्वयन योजना तैयार करनी चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे सबसे अधिक ध्यान प्राथमिक शिक्षा पर केंद्रित करें और भारत की इस मूलभूत नींव को गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन के माध्यम से मजबूत बनाएं। मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह अपने भीतर असीम संभावनाओं का भंडार होते हुए भी भय और संदेह के जाल में उलझकर स्वयं को सीमित कर लेता है। जबकि सत्य यह है कि सफलता किसी बाहरी चमत्कार का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह हमारे भीतर पलने वाले विचारों, भावनाओं और संकल्पों की स्वाभाविक परिणति है। जो व्यक्ति अपने भय से ऊपर उठकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का साहस जुटा लेता है, वही जीवन की ऊंचाइयों को छूने में समर्थ होता है।

**- लेखक के निजी राय हैं।**

## आज का पंचांग

### दैनिक पंचांग

2 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष में | मिथुन | 06.10 बजे से |
| चंद्र | धनु में | कर्क | 08.24 बजे से |
| मंगल | मेष में | सिंह | 10.40 बजे से |
| बुध | मिथुन में | कन्या | 12.52 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | तुला | 15.03 बजे से |
| शुक्र | मिथुन में | वृश्चिक | 17.17 ब.से |
| शनि | मीन में | धनु | 19.33 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मकर | 21.38 बजे से |
| केतु | सिंह में | कुंभ | 23.25 बजे से |
| राहुकाल | | मीन | 00.58 बजे से |
| 3.00 से 4.30 बजे तक | | मेष | 02.28 बजे से |
| | | वृष | 04.08 बजे से |

**मंगलवार** 2026 वर्ष का 153 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
**तिथि** द्वितीया 19.02 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** मूल 22.07 बजे को समाप्त।
**योग** साध्य 07.16 बजे को समाप्त।
**करण** तैतिल 05.50 बजे तदनन्तर गर 19.02 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 16.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 10'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872728
**जूलियन दिन** 2461193.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** जिल्हेज
**तारीख** 16

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05.53 से | 07.22 बजे तक | काल | 05.42 से | 07.13 बजे तक |
| उद्वेग | 07.22 से | 08.15 बजे तक | लाभ | 07.13 से | 08.45 बजे तक |
| चर | 08.15 से | 10.19 बजे तक | उद्वेग | 08.45 से | 10.16 बजे तक |
| लाभ | 10.19 से | 11.48 बजे तक | शुभ | 10.16 से | 11.48 बजे तक |
| अमृत | 11.48 से | 01.16 बजे तक | अमृत | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| काल | 01.16 से | 02.45 बजे तक | चर | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.45 से | 04.13 बजे तक | रोग | 02.51 से | 04.22 बजे तक |
| रोग | 04.13 से | 05.42 बजे तक | काल | 04.22 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8879

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | ■ | 4 | | 5 | 6 |
| 7 | | ■ | 8 | | | ■ | 9 | |
| | ■ | ■ | | ■ | 10 | 11 | ■ | |
| 12 | | 13 | ■ | 14 | | | | |
| ■ | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | ■ |
| 15 | | | 16 | | ■ | 17 | | 18 |
| | ■ | 19 | | ■ | 20 | ■ | ■ | |
| 21 | 22 | ■ | 23 | | | ■ | 24 | |
| 25 | | | | ■ | 26 | | | |

### बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

### ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

### शब्द पहेली -8878 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | म | नु | हा | र | ■ | नी | ■ | ■ |
| ■ | हा | ■ | मि | ■ | म | र | घ | ट |
| भं | व | र | ■ | म | नो | ज | ■ | क |
| ■ | र | ज | त | ■ | का | ■ | ता | रा |
| म | ■ | नी | ल | क | म | ल | ■ | व |
| हा | ल | ■ | ब | ■ | ना | ह | क | ■ |
| व | ■ | आ | गा | र | ■ | र | वा | ना |
| त | क | रा | र | ■ | रा | ■ | य | ■ |
| ■ | ■ | म | ■ | त | ह | म | द | ■ |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## सुडोकू

### सूडोकु नवताल- 7813

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 3 | | | |
| | 2 | | | 9 | 5 | | | |
| 9 | | | | | | 6 | | |
| | | | 9 | | | | 3 | 5 |
| | 6 | | | | | | 7 | |
| 4 | 8 | | | | 1 | | 6 | 2 |
| | | 7 | | | | | | 3 |
| | | | 2 | 4 | | | 9 | |
| | | | 8 | | | 2 | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7812 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |

'अल्फा किलर' बनकर

# दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

● वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में दिखेगा खतरनाक रूप

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है। सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी। वाईआरएफ के प्रवक्ता ने कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं। यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

# 'डॉन 3' पर रणवीर सिंह के सपोर्ट में उतरीं पद्मिनी कोल्हापुरे

**बॉलीवुड** की चर्चित फिल्म 'डॉन 3' इन दिनों अपनी कहानी से ज्यादा विवादों की वजह से सुर्खियों में बनी हुई है। जब से यह खबर सामने आई है कि रणवीर सिंह इस फिल्म से बाहर हो गए हैं, तब से फिल्म इंडस्ट्री में लगातार चर्चाएं तेज हैं। इस मामले ने बड़ा रूप तब लिया, जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने एक्टर को बैन कर दिया। अब इस विवाद के बीच सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की वाइस-प्रेसिडेंट और दिग्गज एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे ने रणवीर सिंह के प्रति सपोर्ट जताया है। बात करते हुए पद्मिनी कोल्हापुरे ने रणवीर सिंह को सपोर्ट करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'सिंटा को रणवीर सिंह के मेंबर होने पर गर्व है। जब भी उन्हें हमारी जरूरत होती है, हम उनके साथ खड़े रहते हैं। यह बात पहले ही पब्लिक डोमेन में आ चुकी है, इसलिए मैं इस पर और कोई कॉमेंट नहीं करना चाहती। हम उनके लिए, उनके साथ हैं। अगर उन्हें कभी हमारी जरूरत पड़ी तो हम रणवीर सिंह के लिए हमेशा खड़े हैं। सिंटा को रणवीर सिंह के मेंबर होने पर गर्व है। जब भी उन्हें हमारी जरूरत होती है, हम उनके साथ खड़े रहते हैं। हम उनके लिए, उनके साथ हैं। अगर उन्हें कभी हमारी जरूरत पड़ी तो हम रणवीर सिंह के लिए हमेशा खड़े हैं।

### मेकर्स को लगभग 45 करोड़ रुपए का नुकसान

पद्मिनी कोल्हापुरे का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रणवीर सिंह लगातार दबाव का सामना कर रहे हैं। दरअसल, यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब फिल्म 'डॉन 3' के निर्देशक और एक्टर फरहान अख्तर ने एफडब्ल्यूआईसीई से शिकायत की। बताया गया कि रणवीर सिंह के फिल्म छोड़ने की वजह से मेकर्स को लगभग 45 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा।

# 'सलमान खान को पहली फिल्म मैंने दिलाई थी' : जैकी श्रॉफ

**एक्टर** जैकी श्रॉफ ने सलमान खान के करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्होंने उन्हें पहली फिल्म दिलाने में मदद की थी। बातचीत में जैकी ने कहा कि उस समय सलमान फिल्म फलक (1988) में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे थे, जबकि उनके पिता सलीम खान फिल्म के डायलॉग लिख रहे थे। जैकी ने कहा, 'मैंने सल्लू बाबा को उनकी पहली फिल्म बीवी हो तो ऐसी दिलाई थी। हालांकि बाद में मैंने प्यार किया रिलीज हुई और उसी ने उन्हें स्टार बना दिया।' उन्होंने बताया कि सेट पर सलमान की तस्वीर देखने के बाद उन्हें लगा था कि सलमान तो बहुत हैंडसम हैं। जैकी ने कहा, 'मैं उनकी फोटो लेकर सुभाष घई जी के पास गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। फिर मैं उसे के सी बोकाड़िया के पास ले गया। उन्होंने अपने साले को फोटो दिखाने के लिए कहा और इसी तरह सलमान को वह रोल मिला। मैं उनकी तस्वीरें लेकर कई जगह जाता था।' सलमान के साथ अपने लंबे संबंधों पर बात करते हुए जैकी ने कहा कि उन्होंने सलमान की अधिकांश फिल्मों में उनके साथ काम किया है। उन्होंने कहा, 'पहले वह मुझे अपनी हर फिल्म में लेते थे, लेकिन कुछ समय से उन्होंने मुझे किसी फिल्म में कास्ट नहीं किया है।'

# हेमा मालिनी अब पहली बार लाइव स्टेज पर गाएंगी

## कॉन्सर्ट के आखिर में होगा एक सरप्राइज गाना

**हेमा** मालिनी पहली बार लाइव स्टेज पर गाने वाली हैं। म्यूजिकल कार्यक्रम 'द ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कॉन्सर्ट' एक चैरिटी इवेंट होगा, जिसके जरिए अपने फिल्मी सफर की यादें दर्शकों के सामने रखेंगी। इस दौरान मंच पर उनके जीवन और करियर के कई यादगार पड़ावों को संगीत और किस्सों के जरिए पेश किया जाएगा। बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद हेमा मालिनी अपने शानदार फिल्मी करियर में एक और नया अध्याय जोड़ने जा रही हैं। वह अब पहली बार लाइव स्टेज पर गाने वाली हैं। यह कार्यक्रम 10 जुलाई को मुंबई में आयोजित होगा। इसके जरिए हेमा मालिनी अपने फिल्मी सफर की यादें दर्शकों के सामने रखेंगी। मंच पर उनके जीवन और करियर के कई यादगार पड़ावों को संगीत और किस्सों के जरिए पेश किया जाएगा।

# आमिर खान के हाथ लगी यह धांसू बायोपिक

**बॉलीवुड** सुपरस्टार आमिर खान और निर्देशक आशुतोष गोवारिकर एक बार फिर साथ आने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों दिग्गज अब भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी लाला अमरनाथ की जिंदगी पर आधारित एक भव्य पीरियड क्रिकेट ड्रामा बना रहे हैं। फिल्म को दिसंबर 2027 में थिएटर रिलीज करने की तैयारी चल रही है। खास बात यह है कि फिल्म की रिलीज टाइमिंग 1952 की ऐतिहासिक भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के 75 साल पूरे होने के मौके से जोड़ी जा रही है। बताया जा रहा है कि यह सिर्फ क्रिकेट फिल्म नहीं होगी, बल्कि विभाजन के बाद भारत-पाक रिश्तों और उस दौर की भावनात्मक कहानी भी बड़े स्तर पर दिखाएगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में लाला अमरनाथ की क्रिकेट यात्रा के साथ-साथ विभाजन के बाद के भारत का माहौल भी दिखाया जाएगा। मेकर्स शुरुआती 1950 के दशक का राजनीतिक और भावनात्मक माहौल बड़े पैमाने पर रीक्रिएट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा गया है, 'आशुतोष लंबे समय से इस दौर पर रिसर्च कर रहे हैं। मकसद सिर्फ क्रिकेट राइवलरी नहीं, बल्कि विभाजन के बाद के शुरुआती वर्षों का भावनात्मक और राजनीतिक माहौल भी दिखाना है। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू हो चुका है। कास्टिंग, लोकेशन रैकी और शूटिंग शेड्यूल पर तेजी से काम चल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग भारत समेत कुछ इंटरनेशनल लोकेशंस पर भी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक़, सूत्रों ने बताया, 'टारगेट साफ है–फिल्म को 2027 के मध्य तक पूरा करना और दिसंबर 2027 में सिनेमाघरों तक पहुंचाना। '

### लाला अमरनाथ बनने की तैयारी में आमिर खान

बताया जा रहा है कि आमिर खान इस रोल के लिए खास फिजिकल ट्रेनिंग ले रहे हैं। वह लाला अमरनाथ की बॉडी लैंग्वेज, बैटिंग स्टाइल और पर्सनैलिटी को करीब से समझने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि किरदार को पूरी प्रामाणिकता के साथ स्क्रीन पर उतारा जा सके। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फरहान अख्तर फिल्म में एक अहम कैमियो कर सकते हैं। माना जा रहा है कि वह एक पाकिस्तानी क्रिकेटर के रोल में नजर आएंगे, जिसकी लाला अमरनाथ से गहरी दोस्ती होती है, लेकिन विभाजन के बाद वह पाकिस्तान में ही रहने का फैसला करता है। इससे कहानी में इमोशनल लेयर और गहरी हो सकती है।

### 25 साल बाद फिर साथ आए आमिर और आशुतोष

यह फिल्म इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि 'लगान' के 25 साल बाद आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर की जोड़ी फिर साथ काम कर रही है।

# शाहिद कपूर ने फैंस को दिखाया अपना 'बचपन का स्वैग'

● तस्वीर शेयर कर बोले- तब भी कमाल का था फैशन सेंस

**अभिनेता** शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल-2' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। शनिवार को अभिनेता ने फैंस के साथ अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की। इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अभिनेता ने तस्वीर पोस्ट की। इसमें छोटा-सा शाहिद

मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर बड़े ही स्वैग के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में शाहिद कपूर का अंदाज वाकई देखने लायक है। इस फोटो को शेयर करते हुए अभिनेता ने लिखा, 'जब आपको बाइक्स का बेहद शौक हो और आपको खुद भी इस बात का अंदाजा न हो... जैसा कि आप इस फोटो में देख सकते हैं, मेरा फैशन सेंस भी बचपन से ही काफी शानदार था। अभिनेता शाहिद कपूर जल्द ही आगामी फिल्म 'कॉकटेल-2' में नजर आएंगे। यह फिल्म सुपरहिट रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। फिल्म का संगीत प्रीतम द्वारा तैयार किया गया है। इसका रोमांटिक ट्रैक 'तुझको', सॉन्ग 'माशूका' और 'जब तलक' पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। आधुनिक रिश्तों और भावनात्मक उलझनों पर आधारित इस फिल्म में एक नया और दिलचस्प लव-ट्रायंगल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी बिल्कुल नए किरदारों के साथ आज के दौर के आधुनिक रिश्तों पर आधारित है। बताया जा रहा है कि इसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल के रूप में नजर आ सकती हैं.

तेलुगु और तमिल फिल्मों में दिलचस्पी

# मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

**अभिनेत्री** जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवराः पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवराः पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं।

## प्रभारी मंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा, संभावित बाढ़ से निपटने को कटिहार प्रशासन अलर्ट

एजेंसी

**कटिहार।** बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री और कटिहार जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन सभागार कक्ष में जिला 20 सूत्री और जिला आपदा बाढ़ या सुखाड़ राहत निगरानी समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की और विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की प्रगति जांची। उन्होंने अधिकारियों को पूरी नैतिकता और पारदर्शिता के साथ ससमय जनता के कार्यों का निष्पादन करने का कड़ा निर्देश दिया। बैठक में पूर्व उपमुख्यमंत्री सह विधायक तारकेश्वर प्रसाद, एमएलसी अशोक कुमार अग्रवाल सहित जिले के सभी माननीय विधायक, महापौर, जिला परिषद अध्यक्ष, प्रभारी जिलाधिकारी डॉ. विनोद कुमार और पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान प्रभारी मंत्री ने बताया कि कटिहार जिला प्रशासन संभावित बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क है और तैयारियां युद्धस्तर पर पूरी कर ली गई हैं। राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जिले में 197 सरकारी और 317 निजी नावों की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए कम्युनिकेशन प्लान तैयार है। बाढ़ प्रभावितों के लिए खाद्यान्न की निविदा पूरी हो चुकी है। जिले में 49338 पॉलीथिन शीट उपलब्ध हैं और 73400 अतिरिक्त शीट की मांग की गई है। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं से लैस 417 बाढ़ आश्रय स्थल और 627 सामुदायिक रसोई केंद्र चिन्हित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 61 प्रकार की दवाइयां और सर्पदंश से बचाव के लिए 27920 एंटीसिरम उपलब्ध कराए गए हैं। सभी प्रखंडों में 171 मेडिकल टीमें गठित हैं। पशुपालन विभाग ने 16 प्रखंडों में पशु चिकित्सा दल और 61 पशु शिविर स्थल तय किए हैं। आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर 589941 लाभुकों का विवरण दर्ज है और आपात स्थिति के लिए चौबीसों घंटे चालू रहने वाला हेल्पलाइन नंबर 06452-239025 भी जारी किया गया है। बैठक में जिला 20 सूत्री के तहत विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिले के 1965 विद्यालयों में 581145 छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं, जहाँ शिक्षकों की उपस्थिति 90.63 प्रतिशत दर्ज की गई है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा मई 2026 तक 628086 राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।

## टीआरई 4 अभ्यर्थियों ने आक्रोश मार्च के साथ समाहरणालय घेराव कार्यक्रम किया आयोजित

एजेंसी

**सहरसा।** बीपीएससी टीआरई 4 शिक्षक बहाली को लेकर लंबे समय से नोटिफिकेशन जारी नहीं होने तथा पूर्व निर्धारित डेढ़ लाख सीटों में लगातार कटौती किए जाने के विरोध में सहरसा में सोमवार को बेरोजगार आक्रोश मार्च सह समाहरणालय घेराव कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार के नेतृत्व में आयोजित यह मार्च जिला परिषद प्रांगण से प्रारंभ होकर डीबी रोड, थाना चौक, वीर कुंवर सिंह चौक, रविदास चौक, चंद्रशेखर आजाद चौक, अंबेडकर चौक होते हुए इंदिरा चौक के रास्ते कलेक्ट्रेट पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, बिहार सरकार के नाम मांग पत्र सौंपा। मार्च में शामिल अभ्यर्थियों एवं युवाओं ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए कहा कि बिहार के लाखों छात्र-छात्राएं बीपीएससी टीआरई 4 शिक्षक बहाली अधिसूचना का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। इससे अभ्यर्थियों में भारी निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में बीपीएससी टीआरई-4 का नोटिफिकेशन अविलंब जारी करने, पूर्व निर्धारित डेढ़ लाख सीटों पर शिक्षक बहाली सुनिश्चित करने,बीपीएससी टीआरई-4 में पीटी एवं मेन्स की बाध्यता समाप्त करने, आंदोलनरत लगभग पांच हजार छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाने की मांग शामिल है। बेरोजगार आक्रोश मार्च को संबोधित कर छात्र नेता मनीष कुमार ने कहा कि सरकार लगातार शिक्षक बहाली की सीटों में कटौती कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

### संक्षिप्त समाचार

#### मैजिक कार से विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

**बछवाड़ा/बेगूसराय।** बेगूसराय जिला में अवैध नशीले पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर बछवाड़ा थाना की पुलिस टीम के द्वारा चमथा पुल पर वाहन चेकिंग के दौरान एक मैजिक कार रजि0नं0- इफ15ढ3741 से 01 व्यक्ति अंकित कुमार, पे0-सिलवंत यादव, सा0 आलमपुर, जिला- समस्तीपुर को 17 .28 लीटर विदेशी शराब एवं उसके निशानदेही पर चामथा चिरैया टोंक स्थित सामुदायिक भवन के कमरे से कुल 66 .24 लीटर विदेशी शराब के साथ 01 व्यक्ति कमलू पासवान, पे0-बुद्ध पासवान, सा0- चिरैयाटोंक चमथा, थाना-बछवाड़ा, जिला- बेगूसराय को गिरफ्तार किया गया। कांड दर्जकर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही।

#### तीन दिवसीय चित्रकला एवम नृत्य कार्यक्रम का समापन्न

**बेगूसराय।** सरस्वती संस्कृत विद्यालय में सुलोचना सामाजिक संस्था के द्वारा तीन दिवसीय चित्रकला व नृत्य कार्यशाला जो कि वहां तीन दिनों से चला आ रहा था उसका समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में मे राष्ट्रीय स्तर के चित्रकार गुरु इंद्रमोहन प्रसाद, वही डांस में विशाल कुमार ने बच्चों को बड़े ही प्रभावी तरीके से प्रशिक्षण दिया पूरे कार्यशाला का निर्देशन प्रीति कुमारी ने किया। इस अवसर पर बच्चों को सर्टिफिकेट एवं मनोबल को बढ़ाने के विद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशान्त कुमार, समीर शेखर, अशोक कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार सिन्हा एवं केंद्रीय विद्यालय के कला शिक्षक प्रवीण कुमार सभी उपस्थित रहे कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया संस्था के सचिव रवींद्र मनोहर ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्राचार्य डॉ प्रशांत कुमार का आभार व्यक्त किया एवं बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

### सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं

## हर माह 10 तारीख तक पेंशन भुगतान सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

एजेंसी

**पटना।** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खातों में प्रत्येक माह की 10 तारीख तक राशि का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पेंशन भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी गरीब, वृद्ध, दिव्यांग और अन्य जरूरतमंद लाभार्थियों के जीवन को प्रभावित करती है, इसलिए इस व्यवस्था को पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ संचालित किया जाना चाहिए। सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प में आयोजित समाज कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, सेवा वितरण व्यवस्था और लाभार्थियों तक योजनाओं की पहुंच का विस्तृत आकलन किया। बैठक में समाज कल्याण मंत्री श्वेता गुप्ता, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास की आधारशिला हैं। इसलिए इनके संचालन, उपस्थिति और सेवा वितरण की तकनीकी माध्यमों से नियमित एवं गहन निगरानी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका और सहायिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा लक्षित बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र जितने बेहतर ढंग से संचालित होंगे, बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास उतना ही बेहतर होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से सहयोग प्राप्त करने की संभावनाओं पर गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की सहभागिता से आंगनबाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं में सुधार लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान राज्य में बच्चों के बीच स्टंटिंग (अल्पविकसित वृद्धि) और वेस्टिंग (कुपोषण के कारण वजन में कमी) की स्थिति में सुधार लाने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि पोषण संबंधी सूचकांकों में सुधार के लिए विभाग को और अधिक सक्रियता से कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास से जुड़ी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाए तथा जमीनी स्तर पर निगरानी तंत्र को मजबूत बनाया जाए।

## 200 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

**भागलपुर।** भागलपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। सबौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 200 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उक्त आशय की जानकारी सोमवार को सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। सिटी एसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में स्वस्थ युवा, स्वस्थ भागलपुर अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल से मादक पदार्थ लेकर एक व्यक्ति सबौर थाना क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के सत्यापन के बाद नगर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विधि-व्यवस्था, सबौर थाना और डीआईयू टीम के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने सबौर थाना क्षेत्र के पंचमुखी के समीप घेराबंदी की।

## लापता नाबालिग की तलाश दूसरे दिन भी जारी
### महानंदा नदी में एसडीआरएफ ने चलाया सर्च अभियान

एजेंसी

**किशनगंज।** सदर थाना क्षेत्र के सफा नगर से 12 दिनों से लापता 17 वर्षीय नाबालिग मोहम्मद कैसर आलम की तलाश सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रही। परिजनों द्वारा किसी अनहोनी की आशंका जताए जाने के बाद पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वहीं महानंदा नदी में एसडीआरएफ की टीम लगातार सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अब तक नाबालिग का कोई सुराग नहीं मिल सका है। जानकारी के अनुसार 30 मई को परिजनों ने नाबालिग के साथ किसी अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद से पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए विभिन्न पहलुओं पर छानबीन शुरू कर दी है। जिन चार युवकों पर नाबालिग को गायब करने का आरोप लगाया गया है, उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक पुलिस को कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है। एसडीपीओ-1 खुसरू सिराज ने बताया कि मामले की हर बिंदु पर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि रविवार को महानंदा नदी में एसडीआरएफ की टीम द्वारा खोजबीन की गई थी और सोमवार को भी पुनः नदी में सर्च अभियान चलाया गया।

## सुपौल में बाढ़ अवधि शुरू, कोसी बराज से छोड़ा गया 25,850 क्यूसेक पानी, अलर्ट मोड में प्रशासन

एजेंसी

**सुपौल।** जिले में सोमवार से आधिकारिक रूप से बाढ़ अवधि की शुरूआत हो गई है। संभावित बाढ़ और कटाव की चुनौतियों को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी सावन कुमार के नेतृत्व में सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रखा गया है तथा संवेदनशील तटबंधों और नदी क्षेत्रों की लगातार निगरानी शुरू कर दी गई है। जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 8 बजे कोसी बराज से डाउन स्ट्रीम में 25,850 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। वहीं नेपाल स्थित बराह क्षेत्र से 21,650 क्यूसेक जलप्रवाह रिकॉर्ड किया गया। वर्तमान में पूर्वी एवं पश्चिमी कोसी मुख्य नहरों में पानी का प्रवाह शून्य है। प्रशासन का कहना है कि फिलहाल नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे है, लेकिन मानसून के आगमन और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में संभावित वर्षा को देखते हुए किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारी की जा रही है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष को सक्रिय कर दिया गया है और सभी प्रखंड व अंचल स्तर के अधिकारियों को लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने बाढ़ सुरक्षा से जुड़े अभियंताओं एवं अधिकारियों को अपने-अपने कार्यस्थलों पर मुस्तैद रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाढ़ अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा जिले से होकर गुजरने वाली कोसी, तिलयुगा, बिड़ल, खाड़ो और जीता धार समेत अन्य प्रमुख नदियों के जलस्तर तथा तटबंधों की स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को दें। बाढ़ अवधि की शुरूआत के साथ ही पूरे जिले में निगरानी एवं सतर्कता व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है, ताकि किसी भी संभावित आपदा से समय रहते प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

### नये फायर फोम टेंडर वाहन का लोकार्पण

**बेगूसराय।** बेगूसराय जिले में अग्निशमन सेवाओं को आधुनिक, सुदृढ़ एवं अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत समाहरणालय परिसर में नए फायर फोम टेंडर वाहन का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री एवं जिला अग्निशमन पदाधिकारी, बेगूसराय ने संयुक्त रूप से वाहन को हरी झंडी दिखाकर विधिवत रवाना किया। इस अवसर पर सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी रविन्द्र कुमार, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी श्वेता कुमारी, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी श्री रमेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं अग्निशमन कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी एवं उपस्थित अधिकारियों ने नए वाहन का निरीक्षण किया तथा उसकी तकनीकी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस फायर फोम टेंडर के शामिल होने से जिले में अग्निकांड एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, प्रभावी एवं सुरक्षित अग्निशमन कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी। जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि यह विशेष फायर फोम टेंडर पेट्रोलियम उत्पादों, रासायनिक आग तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों से संबंधित अग्निकांड पर नियंत्रण के लिए अत्यंत उपयोगी है। वाहन में 2500 लीटर क्षमता का फोम टैंक उपलब्ध है तथा रात्रिकालीन अग्निशमन कार्यों को सुगम बनाने हेतु लाइटिंग टावर की भी व्यवस्था की गई है, जिससे अंधेरे में भी प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा सकेंगे।उन्होंने बताया कि जिला कार्यालय, बेगूसराय की मांग पर मुख्यालय गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएँ, बिहार, पटना द्वारा यह अत्याधुनिक वाहन जिले को आवंटित किया गया है।यह नया फायर फोम टेंडर न केवल जिले की अग्निशमन क्षमता को मजबूत करेगा, बल्कि नागरिकों को आधुनिक, त्वरित एवं बेहतर आपदा राहत सेवाएँ उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### प्लास्टर कराने घर आया था लक्ष्मण, सड़क हादसे में मौत, शव पहुंचते ही मचा कोहराम

**भगवानपुर/बेगूसराय।** तेयाय ओपी क्षेत्र के दादपुर गांव में सोमवार सुबह मातम पसर गया। वार्ड-2 निवासी सीताराम साह के 36 वर्षीय पुत्र लक्ष्मण साह का शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। शव देखते ही मां उर्मिला देवी, पत्नी और बेटी दहाड़ मारकर रोने लगीं। जवान बेटे का शव देख पिता सीताराम साह भी बेसुध हो गए।स्वजनों ने बताया कि लक्ष्मण मध्यप्रदेश में रहकर काम करता था। दो दिन पहले ही वह अपने घर का प्लास्टर कराने गांव आया था। रविवार को वह बाइक से सिमरिया स्थित फुआ के घर गया था। वहां से हमी बखतपुर गांव में मामा से मिलकर देर शाम घर लौट रहा था।लौटने के दौरान फुलवरिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर सोमवार सुबह परिजनों को सौंप दिया। स्वजनों ने शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया।मृतक तीन भाइयों में मंझला और मिलनसार स्वभाव का था। उसके एक बेटा निखिल कुमार और एक बेटी है। तीनों भाई अलग-अलग रहते थे। लक्ष्मण की मौत के बाद परिवार बेसहारा हो गया है। अब दोनों बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी उसकी बेसहारा पत्नी पर आ गई है। गांव में शोक की लहर है।

### मेहदौली और अतरुआ में 'कमाल समर कैम्प' का शुभारंभ मुखिया बोले- खेल-खेल में मजबूत होगी बुनियाद

**भगवानपुर/बेगूसराय।** गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के लिए शुरू किए गए 'कमाल समर कैम्प' का सोमवार को प्रखंड के दो स्कूलों में भव्य उद्घाटन हुआ। मिडिल स्कूल मेहदौली में पंचायत के मुखिया शिवशंकर महतों ने फीता काटकर कैम्प का शुभारंभ किया। वहीं उत्क्रमित मिडिल स्कूल अतरुआ में एचएम विश्वनाथ साह ने कैम्प का उद्घाटन किया।इस मौके पर मुखिया शिवशंकर महतों ने कहा कि ग्रीष्मावकाश में अक्सर बच्चे पढ़ाई से दूर हो जाते हैं। यह कैम्प उन्हें किताबों से जोड़े रखेगा। इसमें कक्षा 5 और 6 के बच्चों की भाषा और गणित की बुनियाद मजबूत करने पर खास ध्यान दिया जाएगा। कहानी, कविता, खेल और रोचक गतिविधियों के जरिए बच्चों को सिखाया जाएगा, जिससे उनकी सीखने की क्षमता और रुचि दोनों बढ़ेंगी।उद्घाटन कार्यक्रम में प्रखंड नोडल अशोक कुमार सिंह, सीआरसी नोडल गोपाल, अजनीश कुमार, सुमन कुमार, विनोद कुमार साह, विजय प्रसाद मौजूद रहे।

## एनटीपीसी कहलगांव में बालिका सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ

एजेंसी

**भागलपुर।** एनटीपीसी कहलगांव में सोमवार को समारोह आयोजित कर बालिका सशक्तिकरण अभियान शुरू किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक प्रचालन रवीन्द्र कुमार थे। इस अवसर पर संयुक्त महिला समिति की वरिष्ठ सदस्य चंदना कुमारी, परियोजना प्रमुख रवीन्द्र पटेल, सृष्टि समाज की अध्यक्षा, एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण, अभिभावक एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत समारोह के साथ हुआ। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुमार ने कहा कि बालिका सशक्तिकरण अभियान केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में तीन परियोजनाओं से प्रारंभ हुआ यह अभियान आज देशव्यापी आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने बालिकाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, प्रशासन, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज की ये बालिकाएँ कल की वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, उद्यमी एवं देश की जिम्मेदार नागरिक बनेंगी। एनटीपीसी का उद्देश्य उन्हें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं नई संभावनाओं से परिचित कराना है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। परियोजना प्रमुख रवीन्द्र पटेल ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि एनटीपीसी कहलगांव सदैव सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। उन्होंने बताया कि जीईएम-2026 के माध्यम से चयनित बालिकाओं को शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, स्वास्थ्य, खेलकूद, डिजिटल साक्षरता एवं नेतृत्व विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

## बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए जनता दरबार आयोजित

एजेंसी

**सुपौल।** बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को पिपरा प्रखंड के कटैया स्थित नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) विद्युत आपूर्ति प्रशाखा कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें कई मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।विद्युत आपूर्ति प्रशाखा कटैया के अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि बिहार सरकार एवं विभागीय निदेशों के अनुरूप उपभोक्ता हित में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।जनता दरबार में उपभोक्ताओं ने बिजली बिल में गड़बड़ी, नए बिजली कनेक्शन, मीटर से जुड़ी शिकायतें तथा विद्युत आपूर्ति में आ रही परेशानियों को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों और कर्मियों ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की और कई मामलों का तत्काल समाधान किया। अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक तथा प्रत्येक शुक्रवार को 3:00 बजे से 4:30 बजे तक जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

## संक्षिप्त

### म्यांमार हादसे में 55 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा मकान तबाह; राहत और बचाव कार्य जारी

**यंगून, एजेंसी।** म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट में 100 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। गांव का एक हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं। टीएनएलए के राजनीतिक संगठन पलाउंग स्टेट लिबरेशन फ्रंट ने टेलीग्राम पर जारी बयान में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना की जांच करने की जानकारी दी। संगठन ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीएनएलए ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां नुकसान का आकलन करने में जुटी हैं, जबकि बचावकर्मी हादसे में जीवित लोगों की तलाश में अभियान चला रहे हैं।

### अब क्या चाहते हैं ट्रंप?: माउंट रशमोर में जगह पाने की चाह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर की एआई से बनी तस्वीर

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर माउंट रशमोर में अपनी जगह बनाने की बहस को हवा दे दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक एआई से तैयार की गई तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका चेहरा अमेरिका के चार ऐतिहासिक राष्ट्रपतियों के साथ माउंट रशमोर स्मारक पर दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में ट्रंप को जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के साथ दिखाया गया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस तस्वीर के साथ कोई टिप्पणी या संदेश साझा नहीं किया। माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल दक्षिण डकोटा के कीस्टोन स्थित ब्लैक हिल्स क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों पर उकेरा गया एक विशाल स्मारक है। यहां अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपतियों के 60 फुट ऊंचे चेहरे तराशे गए हैं। यह स्मारक अमेरिका के जन्म, क्षेत्रीय विस्तार, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। स्मारक के मूल मूर्तिकार गुटजोन बोर्ग्लम ने इन चार राष्ट्रपतियों का चयन अमेरिका के पहले 150 वर्षों के इतिहास को दर्शाने के उद्देश्य से किया था। जॉर्ज वॉशिंगटन को अमेरिकी गणराज्य की स्थापना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना गया, जबकि थॉमस जेफरसन देश के क्षेत्रीय विस्तार का प्रतिनिधित्व करते हैं। थियोडोर रूजवेल्ट को राष्ट्रीय विकास और वैश्विक मंच पर अमेरिका के उभार के प्रतीक के रूप में शामिल किया गया था। वहीं, अब्राहम लिंकन को अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया।

### पीएसजी के चैंपियन बनते ही सुलग उठा फ्रांस : आधी रात को रणक्षेत्र बनीं सड़कें, हिंसा बाद सैकड़ों हुड़दंगी गिरफ्तार

**पेरिस, एजेंसी।** पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग के फाइनल में आर्सेनल को हरा दिया। इस जीत के बाद पूरे फ्रांस में भारी दंगे भड़क गए। फुटबॉल फैंस और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इस हिंसा में कुल 219 लोग घायल हो गए हैं। आंतरिक मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि आठ लोगों की हालत बहुत गंभीर है। पेरिस में दंगाइयों ने बस, ट्रेन और रेल सेवा को रोक दिया। उपद्रवियों को काबू करने में 57 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा के आरोप में 780 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें से 450 से ज्यादा लोग अभी पुलिस की हिरासत में हैं। दंगाइयों ने पेरिस के रिंग रोड को जाम करने की कोशिश की। इसी दौरान एक सड़क हादसे में 24 साल के एक युवक की मौत हो गई। गवाहों के अनुसार वह मोटरसाइकिल से कंक्रीट के ब्लॉक से टकरा गया था। एक अन्य इलाके में हुई लड़ाई में एक किशोर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। अकेले पेरिस से 480 लोग गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें 82 नाबालिग हैं। इन पर पुलिस पर हमला करने, संपत्ति तोड़ने, चोरी और हथियार रखने के आरोप हैं। मैच में पेनल्टी शूटआउट के जरिए जीत के बाद चांस-एलिजी सड़क पर हजारों फैंस जमा हो गए थे। वहां लोगों ने हुड़दंग मचाया, दुकानों के शीशे तोड़े और इलेक्ट्रिक बाइक जला दीं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

# दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत', जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे-धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या

नहीं। जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह मांग उस समय की गई जब रूस ने हाल ही में कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि मौजूदा उत्पादन क्षमता उसकी जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है और पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हथियार और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि यूक्रेन और उसके सहयोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें। हेगसेथ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देशों ने भी यूक्रेन की मदद के लिए काफी संसाधन उपलब्ध कराए हैं और अमेरिका इस सहयोग का स्वागत करता है। आईएसडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के पास वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए सीमित समय है। संस्था का मानना है कि रूस इस समय युद्धक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और यदि पश्चिमी देश अपनी सहायता बढ़ाते हैं तो यूक्रेन को महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस पर बढ़ता सैन्य और आर्थिक दबाव पुतिन को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीकार किया कि फिलहाल शांति वार्ता की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत के लिए कोई नया अवसर पैदा होता है तो अमेरिका फिर से सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार रहेगा। जेलेंस्की ने विश्वास जताया कि रूस अंततः किसी न किसी समझौते के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में अमेरिका की भागीदारी के साथ हुई बातचीत भविष्य की वार्ताओं का आधार बन सकती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारियों मार्को रुबियो, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को कीव आने का निमंत्रण भी दिया है। उनका कहना है कि अमेरिकी प्रतिनिधियों को यूक्रेन आकर खुद हालात देखने चाहिए ताकि वे युद्ध की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि इस तरह की यात्रा पर चर्चा हुई है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जेलेंस्की का मानना है कि शांति वार्ता में केवल अमेरिका या केवल यूरोप की भूमिका पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सबसे प्रभावी बातचीत वही होगी जिसमें यूक्रेन, रूस, अमेरिका और यूरोपीय देश सभी शामिल हों। उनके अनुसार, यही ऐसा मंच होगा जो स्थायी शांति का रास्ता तैयार कर सकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि यदि पुतिन बातचीत के लिए तैयार हों तो वह उनसे सीधे मिलने के लिए भी तैयार हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए रूस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बढ़ाना जरूरी है। जेलेंस्की के मुताबिक अतिरिक्त प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय दबाव रूस को बातचीत के लिए मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना को हर महीने लगभग 35 हजार सैनिकों के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, जिससे देश के भीतर भी दबाव बढ़ रहा है। रूस पर 2022 से कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन ऊंची वैश्विक तेल कीमतों और कुछ विशेष परिस्थितियों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह झटका नहीं लगा। इसके बावजूद जेलेंस्की को उम्मीद है कि अमेरिका भविष्य में और सख्त आर्थिक कदम उठाएगा। सैन्य तकनीक के क्षेत्र में भी यूक्रेन नए समझौतों की तैयारी कर रहा है। जेलेंस्की ने बताया कि उनके देश ने कुछ मध्य-पूर्वी और यूरोपीय देशों के साथ ड्रोन संबंधी समझौते किए हैं।

# होर्मुज में अमेरिकी सेना का बड़ा एक्शन: अब तक 118 व्यापारिक जहाज खदेड़े, पांच को किया पंगु

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** पश्चिम एशिया के समंदर में तनाव बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों को पूरी तरह घेर लिया है। अमेरिकी सैन्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने ईरान जाने और वहां से आने वाले 118 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया है। यही नहीं, अमेरिकी सेना की बात न मानने वाले पांच जहाजों को पूरी तरह अपाहिज यानी निष्क्रिय कर दिया गया है।

अमेरिका ने ईरान की यह नौसैनिक नाकेबंदी 13 अप्रैल को शुरू की थी। अमेरिकी सेना ने साफ चेतावनी दी है। वे ईरान के बंदरगाहों की तरफ आने-जाने वाले सभी जहाजों को रोकते रहेंगे। हैरत की बात यह है कि कार्रवाई तब हो रही है जब दोनों देश शांति की राह पर आने के लिए बातचीत भी कर रहे हैं।

**ट्रंप ने पलटी बाजी, शर्तें कीं और कड़ी :** कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग तय है। लेकिन अब मामला अटक गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ दो घंटे बैठक की। इसके बाद ट्रंप ने समझौते का ड्राफ्ट वापस कर दिया। ट्रंप अब इस समझौते में और ज्यादा कड़ी शर्तें चाहते हैं।

ट्रंप चाहते हैं कि ईरान के परमाणु

कार्यक्रम पर सख्ती बरती जाए। वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को हमेशा खुला रखने की गारंटी चाहते हैं। ट्रंप ईरान को कोई आर्थिक राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। वे ओबामा के समय हुए समझौते जैसी नरमी नहीं बरतना चाहते। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम को जब्त कर नष्ट करेगा। वहीं ईरान इस पर बात करने को भी तैयार नहीं है।

**ईरान का दो टूक जवाब-हम नहीं झुकेंगे :** ईरान ने भी अमेरिका के सामने झुकने से साफ मना कर दिया है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि जब तक उनके अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, वे कोई समझौता नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन के वादों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। हमें ठोस नतीजे चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स का कहना है कि ट्रंप की शर्तें कागजों पर अच्छी हैं, लेकिन इन्हें जमीन पर लागू करना बहुत मुश्किल होगा।

## नया आंदोलन शुरू करने की तैयारी में भाजपा नेता के. अन्नामलाई, युवाओं और स्वयंसेवकों को देंगे ट्रेनिंग

**चेन्नई, एजेंसी।** तमिलनाडु भाजपा के कद्दावर नेता के. अन्नामलाई राज्य की सियासत में एक नया दांव खेलने जा रहे हैं। भाजपा नेता अन्नामलाई राज्य में एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। इसका उद्देश्य समान विचारधारा वाले लोगों को एकजुट करना और स्वयंसेवकों का एक मजबूत कैडर तैयार कर उन्हें राजनीतिक रूप से प्रशिक्षित करना है। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बाताय कि तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई राज्य में एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। हालांकि, अन्नामलाई के एनजीओ 'वी द लीडर्स' के जरिए बढ़ने वाले इस आंदोलन की अगले छह महीने तक किसी राजनीतिक दल में बदलने की योजना नहीं है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही इस नई मुहिम के प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई ने 2020 में राजनीति में प्रवेश किया और 2021 में एल मुरुगन की जगह तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष का पद संभाला और 2025 तक इसका नेतृत्व किया था। अन्नामलाई को एक स्वच्छंद और मुखर चेहरे के रूप में

देखा जाता था और उन्हें भाजपा को काफी हद तक पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। उनकी आक्रामक शैली और मीडिया में उनकी उपस्थिति ने उन्हें केंद्रीय नेताओं के लिए एक महत्वपूर्ण आवाज बना दिया। लेकिन अंततः उन्होंने अपनी सीमा पार कर ली थी, सीएन अन्नादुराई और जे जयललिता पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों ने सहयोगी एआईएडीएमके को उनसे अलग कर दिया था। इसके परिणामस्वरूप 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन टूट गया। दोनों पार्टियों को चुनावी झटके लगे और वे सीटें जीतने में असफल रहीं, जबकि डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने चुनावों में शानदार जीत हासिल की।

# देश में बच्चों के पोषण स्तर में हुआ सुधार, घटा कम लंबाई का प्रतिशत; रिपोर्ट से समझिए पूरा आंकड़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के उत्साहजनक संकेत मिले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-छह (एनएफएचएस-छह) के अनुसार, इस कारण पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कम लंबाई (स्टंटिंग) की समस्या में करीब 7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2019-21 में हुए एनएफएचएस-पांच में जहां 35.5 प्रतिशत बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से अपेक्षित लंबाई से कम पाए गए थे, वहीं 2023-24 में किए गए एनएफएचएस-छह में यह आंकड़ा घटकर 29.3 प्रतिशत रह गया है। यानी अब पहले की तुलना में अधिक बच्चे स्वस्थ वृद्धि कर रहे हैं और अपनी उम्र के अनुरूप लंबाई हासिल कर पा रहे हैं। पहले हर 100

में लगभग 36 बच्चे कम लंबाई की समस्या से प्रभावित थे, जबकि अब यह संख्या घटकर लगभग 29 रह गई है। यह इस बात का संकेत है कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। सर्वेक्षण में 715 जिलों के 6.79 लाख परिवारों को शामिल किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, स्टंटिंग बच्चों में लंबे समय तक पोषण की कमी के कारण बनी हुई थी। बताया कि जब किसी बच्चे को पर्याप्त और संतुलित पोषण नहीं मिलता या वह बार-बार बीमार पड़ता है तो उसकी लंबाई उम्र के अनुरूप नहीं बढ़ पाती। एनएफएचएस-छह के आंकड़े बताते हैं कि अब पहले की तुलना में अधिक बच्चे अपनी उम्र के अनुसार सामान्य शारीरिक वृद्धि कर रहे हैं। यह भविष्य में उनके बेहतर स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता और कार्यक्षमता के लिए भी सकारात्मक संकेत है। 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.2 प्रतिशत हुआ एनएफएचएस-छह में बच्चों के अन्य पोषण संकेतकों में भी सुधार दर्ज किया गया है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर दुबलापन (सीवियर वेस्टिंग) 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.2 प्रतिशत हो गया है। वहीं कम वजन वाले बच्चों का प्रतिशत 32.1 से घटकर 31.8 प्रतिशत हो गया है। सर्वेक्षण के अनुसार देश में शिशु पोषण की स्थिति भी बेहतर हुई है। छह माह से कम आयु के 95.6 प्रतिशत बच्चों को स्तनपान कराया जा रहा है। जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराने का प्रतिशत 41.8 से बढ़कर 50.1 हो गया है। वहीं छह से आठ माह के बच्चों को स्तनपान के साथ पूरक आहार दिए जाने का प्रतिशत 45.9 से बढ़कर 59.5 हो गया है।

## कैंसर मरीजों के इलाज में मिली नई सफलता, अब बिना मास्क हो सकेगी रेडियोथेरेपी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने कैंसर के इलाज के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के डाक्टरों ने भारत में पहली बार एआई संचालित सरफेस गाइडेड रेडियोथेरेपी (एसजीआरटी) और एडेप्टिव रेडियोथेरेपी के अनूठे संयोजन का उपयोग करके सिर और गर्दन के कैंसर के मरीज का इलाज किया है। पारंपरिक रेडियोथेरेपी में मरीज के सिर को स्थिर रखने के लिए एक बेहद तंग प्लास्टिक मास्क पहनाया जाता है और सीटी सिमुलेशन स्कैन किया जाता है, जिसमें काफी समय लगता है, लेकिन इस तकनीक से डाक्टरों ने बिना किसी मास्क या सिमुलेशन सीटी स्कैन के सटीक रेडिएशन थेरेपी दी। डॉक्टरों के अनुसार, मुंह के कैंसर से पीड़ित रोगी पिछली सर्जरी और रेडियोथेरेपी उपचारों

के असफल होने के बाद अस्पताल में आया था। ट्यूमर अत्यधिक बढ़ा हुआ था और लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। सिर और गर्दन के कैंसर के लिए पारंपरिक रेडियोथेरेपी रोगी की हलचल को रोकने के लिए तंग प्लास्टिक मास्क और सिमुलेशन सीटी स्कैन पर निर्भर करती है, डॉक्टरों ने महसूस किया कि गंभीर रोगी उस कठोर प्रक्रिया को बर्दाश्त नहीं कर सकेगा। रक्तस्राव को रोकने के लिए आवश्यक विकिरण देने हेतु अस्पताल ने इस उन्नत तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया। मरीज पर इलाज का सकारात्मक परिणाम रहा और उसे 13 मई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सर्फेस गाइडेड रेडियोथेरेपी तकनीक में मरीज की त्वचा को ट्रैक करने के लिए 3 डी कैमरा सिस्टम और एआइ का उपयोग किया जाता है। यदि मरीज थोड़ा भी हिलता है, तो रेडिएशन बीम अपने आप रुक जाती है, जिससे तंग मास्क लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। एडेप्टिव रेडियोथेरेपी एआई-संचालित सिस्टम हर दिन मरीज के शरीर और ट्यूमर के बदलते आकार को रियल टाइम में ट्रैक करता है और उसी अनुसार रेडिएशन की डोज को एडजस्ट करता है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के रेडिएशन आंकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रसाद राज दांडेकर ने बताया कि यह तकनीक उपचार को अधिक सटीक और प्रभावी बनाती है, जिससे मरीजों के इलाज के परिणाम बेहतर होते हैं।

# लेबनान पर हमले रोके इस्राइल', ब्रिटेन ने हिजबुल्ला से भी की हथियार छोड़ने की मांग

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने हिज्बुल्ला से पूर्ण रूप से हथियार छोड़ने और इस्राइल के खिलाफ हमले बंद करने का भी आग्रह किया है। यवेट कूपर ने एक्स पर जारी एक संदेश में पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा, 'इस्राइल की लेबनान में सैन्य बढ़ोतरी से नागरिकों की मौत हुई है, लोग विस्थापित हुए हैं, बुनियादी ढांचा तबाह हुआ है और कूटनीति के लिए जगह कम हुई है। इसे समाप्त होना चाहिए।

**युद्धविराम का होना चाहिए सम्मान : यवेट कूपर :** उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का सम्मान करना चाहिए और ईमानदारी से बातचीत की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। इस बीच अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत ने भी लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे क्रूर आक्रामकता बताया और संघर्ष तत्काल रोकने की मांग की। अहमद अबुल गैत ने कहा कि इस्राइली बल लेबनानी क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। दक्षिणी गांवों और ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया गया है। इसके साथ ही नागरिकों को निशाना बनाए जाने से बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है। उनके अनुसार यह लेबनान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। अबुल गैत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हस्तक्षेप कर इस्राइल की सैन्य कार्रवाई रुकवाने और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू कराने की मांग की। लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान से बढ़ी चिंता जर्मनी ने भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान के विस्तार पर चिंता जताई है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि 'दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की आगे बढ़त गंभीर चिंता का विषय है।' उन्होंने कहा कि किसी भी अतिरिक्त सैन्य बढ़ोतरी से पहले से तनावपूर्ण हालात और बिगड़ेंगे। इससे नए सिरे से विस्थापन की स्थिति पैदा होगी। ब्रिटेन के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने भी कहा कि लेबनान में लगातार बढ़ता संघर्ष कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर कर रहा है और नागरिकों पर अस्वीकार्य प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा, 'हिजबुल्ला को इस्राइल पर हमले बंद करने चाहिए और निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और अमेरिका की अगुवाई वाली वार्ता जारी रखनी चाहिए। कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप कर इस्राइल पर दबाव बनाने और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। इसी बीच कतर के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज बिन सालेह अल-खुलैफी और लेबनान के उपप्रधानमंत्री तारिक मित्री के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग और लेबनान की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

# पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद, नेपाल के विदेश मंत्रालय को देनी पड़ी सफाई

**काठमांडू, एजेंसी।** भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

**नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा :** नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

**दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है :** नेपाल सरकार ने कहा कि

'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था।

**भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है :** भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

**क्या दोनों देश बातचीत से समाधान चाहते हैं :** नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें लंबे समय से सीमा स्तंभों की मरम्मत, सीमा निर्धारण और जमीन के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों पर काम कर रही हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल ऐतिहासिक दस्तावेजों, नक्शों और समझौतों के आधार पर विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेपाल ने साफ किया कि वह सीमा विवाद का समाधान शांति, संवाद और कूटनीतिक रास्ते से चाहता है।

**नेपाल में बयान पर इतना विवाद क्यों हुआ :** प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या नेपाल ने आधिकारिक तौर पर कभी भारतीय जमीन पर कब्जा स्वीकार किया है। मीडिया और विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा। इसी दबाव के बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर पूरे मामले को स्पष्ट करने की कोशिश की।

### डी गुकेश और दिव्या हारे

# नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

**ओस्लो।** नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही। एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया। दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके

बाद आर्मागेडन गेम खेला गया, जिसमें झू जिनर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। जीत हासिल की। इस जीत से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले।

# आईपीएल 2026 वैभव बने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर

### किसे मिला कौन सा अवार्ड

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया है। इसके साथ ही उन्हें इस सीजन में 776 रन बनाने के लिए 'ऑरेंज कैप' भी मिली। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' वैभव ने कहा, 'मुझे अच्छा लग रहा है, लेकिन इंटरव्यू देना पड़ रहा है, इसलिए थोड़ा दबाव महसूस हो रहा है। आप प्रत्येक मैच एक ही तरीके से नहीं खेल सकते। अगर मुझे चोट से बचना है, तो मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। हर कोई बहुत मददगार है। सभी सीनियर खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, हर कोई मेरा साथ देता है और यहां का माहौल बहुत अच्छा है।' एक ओर वैभव ने 'ऑरेंज कैप' हासिल की, जबकि दूसरी तरफ कगिसो रबाडा ने इस सीजन में 29 विकेट लेने के लिए 'पर्पल कैप' अपने नाम की।

पंजाब किंग्स को 'फेयरप्ले अवॉर्ड' मिला। मनीष पांडे को 'कैच ऑफ द सीजन' का अवॉर्ड मिला, जिन्होंने बैकवर्ड प्वाइंट पर एक शानदार कैच लेकर टिम डेविड को आउट किया था। मोहम्मद सिराज को इस सीजन में सर्वाधिक 'डॉट बॉल' (172) फेंकने के लिए अवॉर्ड मिला। साई सुदर्शन को इस सीजन में सर्वाधिक 'चौके' (75) लगाने के लिए अवॉर्ड मिला। वैभव सूर्यवंशी को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' (237.3) और 'सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन' (72) के अवॉर्ड मिले। आईपीएल 2026 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 5 विकेट से जीत हासिल की। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने 50 रन की नाबाद पारी खेली।

# धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम को मिला आईपीएल 2026 का बेस्ट ग्राउंड और पिच अवॉर्ड

एजेंसी

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम ने एक बार फिर देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन में धर्मशाला के मैदान को ह्यबेस्ट ग्राउंड एंड पिच ऑफ द सीजनह्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि मैदान की बेहतरीन गुणवत्ता, उत्कृष्ट पिच तैयारियों और पर्दे के पीछे दिन-रात मेहनत करने वाले क्यूरेटरों, ग्राउंड्समैन और प्रबंधन टीम की मेहनत का परिणाम मानी जा रही है।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि धौलाधार पर्वत श्रृंखला की छाया में बसे धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम को विश्व क्रिकेट के मानचित्र पर स्थापित करने के लिए वर्षों तक निरंतर प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन सभी लोगों को समर्पित है जिन्होंने मैदान को देश के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट स्थलों में शामिल करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने कहा कि धर्मशाला का मैदान केवल एक क्रिकेट स्टेडियम नहीं, बल्कि हिमाचल की प्राकृतिक सुंदरता और खेल संस्कृति का प्रतीक बन चुका है। यहां की हरियाली, विश्वस्तरीय सुविधाएं और पृष्ठभूमि में दिखाई देने वाली धौलाधार पर्वतमाला खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए यादगार अनुभव प्रदान करती है।

एचपीसीए प्रबंधन ने भी इस सम्मान को पूरी टीम की सामूहिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि मैदान की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए वर्षभर विशेष ध्यान दिया जाता है। यही कारण है कि धर्मशाला आज देश के सबसे खूबसूरत और पसंदीदा क्रिकेट मैदानों में शुमार है। क्रिकेट प्रेमियों का मानना है कि धर्मशाला में खेला गया हर मुकाबला केवल एक मैच नहीं, बल्कि हिमालय की गोद में खेल और प्रकृति के अद्भुत संगम का अनुभव होता है। आईपीएल 2026 में मिला यह सम्मान एचपीसीए और हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

### 180-190 का स्कोर अच्छा रहता, आरसीबी से फाइनल हारने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल

**अहमदाबाद।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता। आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। वहीं, कप्तान के रूप में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने और जीटी को दूसरा खिताब दिलाने की कोशिश में लगे गिल को निराशा हाथ लगी है। मैच के बाद जीटी के कप्तान गिल ने कहा, 'अगर हम 180-190 के आस-पास पहुंच जाते, तो यह एक अच्छा मैच होता। पहले तीन-चार ओवरों में तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है, और शुरुआती कुछ विकेट गिरने के बाद हमारी लय टूट गई। हमने पावरप्ले में 15-20 रन ज्यादा दे दिए। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन गेंदबाजी टीमों में से एक थे। शुरुआती कुछ मैच हारने के बाद हमने जबरदस्त वापसी की। मैं बहुत खुश हूं। हम जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन अगर हम ट्रॉफी जीत भी जाते, तब भी सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती।' शुभमन गिल का बल्ला फाइनल में नहीं चला, लेकिन टूर्नामेंट में वह अपनी टीम के लिए बेहतरीन रहे। फाइनल में 10 रन बनाकर आउट हुए गिल ने टूर्नामेंट के 16 मैचों की 16 पारियों में 732 रन बनाकर वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। गिल ने दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक लगाकर जीटी को फाइनल में पहुंचाया था। 2022 में खिताब जीतने वाली जीटी अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। आईपीएल 2026 के फाइनल पर नजर डालें तो टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जीटी ने 8 विकेट पर 155 रन बनाए। आरसीबी ने विराट कोहली की नाबाद 75 रन की पारी की बदौलत 18 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीता और आईपीएल 2026 की ट्रॉफी पर कब्जा किया।

# आईपीएल 2026 : फाइनल में विराट ने लगाई रिकॉर्ड्स् की झड़ी

**अहमदाबाद।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। फाइनल मैच में आरसीबी की जीत के नायक विराट कोहली रहे। कोहली ने 42 गेंदों में नाबाद 75 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। कोहली ने इस पारी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए।

विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में लगाया। कोहली ने अपना अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल के फाइनल मुकाबले में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी रहा। कोहली ने 75 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए। विराट का प्रदर्शन इस पूरे सीजन शानदार रहा और वह आरसीबी की तरफ से

आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कोहली ने इस सीजन 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए।

कोहली लगातार चार सीजन में 600 से अधिक रन बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले बल्लेबाज बने। विराट को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' भी चुना गया। विराट ने आईपीएल फाइनल में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

उन्होंने यह अवॉर्ड 37 साल 207 दिन की उम्र में जीता।

विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खिलाफ कुल 82 रन बनाए, जो आईपीएल के एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा किसी गेंदबाज के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक रन हैं।

### आरसीबी के चैंपियन बनने पर बोले क्रुणाल

# 11 साल में 5 ट्रॉफी जीतना मेरे लिए बहुत खास है

**अहमदाबाद।** रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। क्रुणाल पांड्या ने आरसीबी के आईपीएल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का श्रेय वर्षों के सब्र और प्लानिंग को दिया। क्रुणाल ने अपने करियर में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर भी खुशी जाहिर की और इसे बड़ी उपलब्धि बताया। पिछले दो सीजन में आरसीबी के लिए बल्ले और गेंद से अहम भूमिका निभाने वाले क्रुणाल ने माना कि हर चैंपियनशिप उनके करियर में एक खास जगह रखती है और उनकी तुलना करना लगभग नामुमकिन है। जीत के बाद क्रुणाल ने कहा, 'हर आईपीएल ट्रॉफी खास होती है। इसमें कोई शक नहीं है। यह बच्चों के होने जैसा है, है ना? आप चुन नहीं सकते। आईपीएल ट्रॉफी के साथ भी ऐसा ही है क्योंकि सब कुछ बहुत मेहनत से कमाया जाता है।' अनुभवी ऑलराउंडर ने 11 सीजन में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी उठाने के बाद अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि पर बात करते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश और शुक्रगुजार हूं कि 11 सालों में पांच ट्रॉफी जीत पाया; यह मेरे लिए बहुत खास है।' क्रुणाल ने कहा कि टीम की लगातार सफलता का बड़ा श्रेय फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ को जाता है। उन्होंने बताया कि मो बोबट, एंडी फ्लावर, दिनेश कार्तिक, मालोलन रंगराजन और ओमकार साल्वी ने टीम को मजबूत बनाने के लिए बहुत मेहनत की।

उन्होंने कहा कि पिछले साल ऑक्शन से पहले ही पूरी तैयारी कर ली गई थी और खिलाड़ियों का चयन सोच-समझकर किया गया था। इसी वजह से टीम में अच्छा संतुलन बना और वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही। क्रुणाल के अनुसार, बेंगलुरु की सफलता सीजन की पहली गेंद फेंके जाने से बहुत पहले ही बन गई थी। हालांकि, 35 साल के क्रुणाल के लिए यह उपलब्धि ड्रेसिंग रूम से कहीं आगे तक फैली हुई है। क्रुणाल ने कहा कि लगातार दो ट्रॉफी जीतना फैंस के लिए खास मायने रखती हैं, जिन्होंने फ्रेंचाइजी का पहला खिताब देखने के लिए 18 सीजन तक इंतजार किया। क्रुणाल ने कहा, 'बिल्कुल। 18 साल तक इंतजार करने के बाद लगातार दो ट्रॉफी जीतना बहुत खास है। यह जीत आरसीबी के फैंस के लिए है। हम जहां भी खेलने गए, उन्होंने हमेशा हमारा समर्थन किया और हमारा हौसला बढ़ाया।' क्रुणाल ने आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि विराट के लिए यह उपलब्धि बहुत खास है, क्योंकि लंबे समय तक टीम के साथ रहने के बाद उन्हें 2025 में पहला खिताब जीतने का मौका मिला और फिर अगले सीजन में टीम को अपना खिताब बचाने में भी मदद की।

### ढोल की थाप पर नाचे कोहली और क्रुणाल

**अहमदाबाद।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब पर कब्जा जमाया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में जमकर जश्न मना। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली ढोल की धुन पर जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस दौरान क्रुणाल के हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी भी मौजूद रही। एक अन्य वीडियो में कप्तान रजत पाटीदार, रसिल सलाम, जितेश शर्मा समेत आरसीबी के बाकी खिलाड़ी भी ढोल पर खूब नाचते हुए नजर आए। आरसीबी के जश्न में बॉलीवुड अभिनेत्री और विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा भी शामिल हुईं।

# भारत के रईसों के लिए अमेरिका से आती थी बर्फ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रेफ्रिजरेटर आम होने से बहुत पहले भारत अमेरिका से बर्फ मंगाता था। अमेरिका के न्यू इंग्लैंड के तालाबों से निकाली गई जमी बर्फ के बड़े-बड़े टुकड़े भारत में आयात किए जाते थे। यहां तक बोस्टन के एक कारोबारी ने इस व्यापार से भारत में करोड़ों की कमाई की। उन्हें 'आइस किंग' के नाम से जाना जाता था। लगभग चार दशकों तक भारत के अमीर लोग अपने ड्रिंक्स को ठंडा करने और बीमारों का इलाज करने के लिए न्यू इंग्लैंड से जहाजों से लाई गई सर्दियों में जमी हुई बर्फ के टुकड़ों का इस्तेमाल करते थे। यह एक बड़ा लॉजिस्टिकल कारनामा था। इसमें 16,000 मील से ज्यादा का सफर तय करना, भूमध्य रेखा को दो बार पार करना और समंदर में चार महीने का थका देने वाला सफर शामिल था। 1800 के दशक की यह सबसे दिलचस्प वैश्विक व्यापार कहानियों में से एक बन गया।

कारोबारी जमशेदजी जीजीभोय को इस बात का श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने ही सबसे पहले मुंबई की एक डिनर पार्टी में अमेरिकी बर्फ का इस्तेमाल करके आइसक्रीम परोसी थी।

बर्फ बहुत जल्द ही सिर्फ एक विलासिता की चीज से बदलकर एक बेहद जरूरी चिकित्सीय साधन बन गई। औपनिवेशिक डॉक्टर इसे तेज बुखार कम करने, हैजा का इलाज करने और सर्जरी के दौरान सुन्न करने वाले एनेस्थीसिया के तौर पर इस्तेमाल करने की सलाह देते थे।

### जानें कितना फायदेमंद था व्यापार

यह व्यापार इतना फायदेमंद था कि बोस्टन के एक कारोबारी फ्रेडरिक ट्यूडर ने सिर्फ कलकत्ता (अब कोलकाता) के बाजार से ही दो दशकों में लगभग 2,20,000 डॉलर का शुद्ध मुनाफा कमाया। यह आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। फ्रेडरिक को बाद में 'आइस किंग' के नाम से जाना गया।

*भारत अमेरिका से क्यों इंपोर्ट करता था बर्फ :* आधुनिक मैकेनिकल रेफ्रिजरेशन से पहले भारत जैसे उष्णकटिबंधीय औपनिवेशिक देश में अच्छी क्वालिटी की बर्फ मिलना बहुत मुश्किल और महंगा काम था। यह व्यापार पर्यावरण, औपनिवेशिक और चिकित्सीय कारणों के एक अनोखे मेल की वजह से खूब फला-फूला।

*स्थानीय विकल्पों की कमी :* जहां मुगल ऐतिहासिक रूप से घोड़ों पर लादकर हिमालय से बर्फ नीचे लाते थे। वहीं अंग्रेजों को यह प्रक्रिया लॉजिस्टिकल तौर पर बहुत थका देने वाली और महंगी लगी। स्थानीय बर्फ को 'हुगली आइस' के नाम से जाना जाता था। सर्दियों की ठंडी रातों में वह उथले गड्ढों में वाष्पीकरण की प्रक्रिया से बड़ी मेहनत से बनाई जाती थी। हालांकि, यह बर्फ पतली, गीली, कंकड़-पत्थरों से भरी होती थी। पीने या खाने के बिल्कुल लायक नहीं होती थी।

*प्योरिटी और लग्जरी की डिमांड :* अंग्रेज औपनिवेशिक अफसर और अमीर भारतीय अपने देश जैसी चीजों और विलासिता के लिए तरसते थे। उन्हें खाना ताजा रखने, आयातित वाइन को ठंडा करने और आइसक्रीम बनाने के लिए एकदम साफ, ठोस बर्फ के टुकड़ों की जरूरत होती थी।

### आइस किंग के कारोबार की दिलचस्प कहानी

यह व्यापार इतना फायदेमंद था कि बोस्टन के एक कारोबारी फ्रेडरिक ट्यूडर ने सिर्फ कलकत्ता (अब कोलकाता) के बाजार से ही दो दशकों में लगभग 2,20,000 डॉलर का शुद्ध मुनाफा कमाया। यह आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। फ्रेडरिक को बाद में 'आइस किंग' के नाम से जाना गया। अपने चरम पर इस अनोखे कारोबार ने पूरे एशिया और ऑस्ट्रेलिया में 3,53,000 टन से ज्यादा अमेरिकी बर्फ पहुंचाई। भारत की कठोर जलवायु में यूरोपीय आबादी को जिंदा और स्वस्थ रखने के लिए इसे एक बेहद जरूरी चीज माना जाता था। पैमाने पर बर्फ को सुरक्षित रखने की कला में महारत हासिल कर ली थी। उन्होंने वाल्डेन तालाब जैसे ताजे पानी के स्रोतों से बर्फ निकाली। घोड़ों से चलने वाले बर्फ के हल का इस्तेमाल करके उसे एक जैसे, आपस में जुड़ने वाले टुकड़ों में काटा। फिर उन्हें जहाजों के अंदरूनी हिस्सों में कसकर पैक किया।

## ईरान युद्ध के बीच जापान में बड़ा उलटफेर, टोयोटा की नंबर 1 की कुर्सी गई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जापान की कंपनी टोयोटा दुनिया में सबसे ज्यादा गाड़ियां बनाती है। लेकिन अब यह जापान की सबसे वैल्यूएबल कंपनी नहीं रह गई है। सॉफ्टबैंक ग्रुप और उससे आगे निकल चुकी हैं। एआई शेयरों में तेजी के दम पर टेक्नोलॉजी ग्रुप के शेयरों में आज करीब 14 फीसदी आई और इसके साथ ही यह देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई। दूसरी ओर टोयोटा के शेयरों

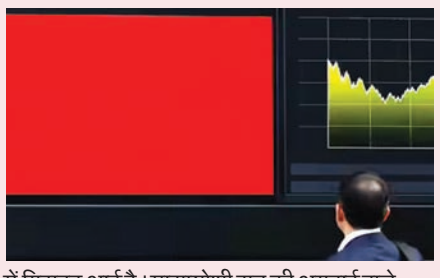

में गिरावट आई है। मासायोशी सन की अगुवाई वाले सॉफ्टबैंक ग्रुप ने ओपनएआई और एसबी एनर्जी कॉर्प निवेश किया है। ये दोनों कंपनियां अमेरिका में लिस्टिंग की तैयारी कर रही हैं। इस कारण सॉफ्टबैंक के शेयरों में तेजी आई है। इस साल कंपनी का शेयर 80 फीसदी से ज्यादा उछला है और कंपनी का मार्केट कैप करीब 304 अरब डॉलर पहुंच गया है। दूसरी ओर टोयोटा का शेयर इस साल 10 फीसदी गिरा है और उसका मार्केट कैप 247.56 अरब डॉलर रह गया है। शेयरों में भी आज करीब 11 फीसदी तेजी आई है और इसका मार्केट कैप 249.82 अरब डॉलर पहुंच गया है। सॉफ्टबैंक करीब दो दशक में पहली बार टोयोटा से आगे निकली है। साल 2000 में इंटरनेट बबल के दौरान में वह कुछ समय के लिए टोयोटा से आगे निकली थी। हाल में चीन की गाड़ियों ने इंटरनेशनल लेवल पर जापान की ऑटो कंपनियों को कड़ी टक्कर दी है। साथ ही निवेशकों का रुख भी तेजी से एआई शेयरों की तरफ हुआ है। सॉफ्टबैंक दुनिया की 48वीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। आज की तेजी से इसकी रैंकिंग 13 स्थान सुधरी है। दूसरी तरफ टोयोटा एक स्थान फिसलकर 70वें नंबर पर फिसल चुकी है। इस लिस्ट में टॉप 10 कंपनियों में आठ अमेरिका की है। टॉप 100 में जापान की चार और चीन की 11 कंपनियां हैं।

## बाजार खुलते ही 1,600 सस्ता हुआ सोना, चांदी भी लुढ़की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने और चांदी की कीमत में महीने के पहले दिन गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में 1,500 रुपये से अधिक गिरावट आई है जबकि चांदी का रेट भी करीब इतना ही कम हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण सोने और चांदी में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,60,911 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,60,193 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,561 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,350 रुपये तक गिरा। सुबह 9.55 बजे सोना 1,210 रुपये यानी 0.75 फीसदी गिरावट के साथ 1,59,701 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,66,998 रुपये

प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 2,68,093 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,485 रुपये की गिरावट के साथ 2,65,513 रुपये तक गिरी। 9.55 बजे यह 458 रुपये की गिरावट के साथ 2,66,540 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 820 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,220 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना 750 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,200 रुपये पर आ गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 610 रुपये फिसलकर 1,17,170 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,600 रुपये बढ़कर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

## कच्चे तेल की कीमत में फिर तेजी लेकिन दिल्ली में पेट्रोल 102 तो डीजल 95 से ऊपर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ईरान युद्ध को शुरू हुए तीन महीने हो गए हैं। इतने दिनों में ही दुनिया भर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के लिए त्राहिमाम् मच गया है।

लेकिन अभी भी मामला सुलझता नहीं दिखता है। तभी तो सोमवार की सुबह ब्रेंट क्रूड के दाम में 1.95 फीसदी की तेजी दिखी। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी सोमवार, 1 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा दिए हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

### डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। ईरान युद्ध को शुरू हुए तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन अभी तक यह खत्म नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह अमन की आशा दिखी थी इसिलए उस इफ्ते क्रूड ऑयल की कीमत में भारी गिरावट आई थी। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम तो 11 फीसदी घट गए थे। लेकिन आज फिर इसमें तेजी दिखी है।

## टाटा संस में चंद्रा की फिर से नियुक्ति पर 'ग्रहण', खफा है नोएल टाटा

### कई अहम मुद्दों पर अब भी है मतभेद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की फिर से नियुक्ति का मामला अटक गया है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते हुई टाटा संस की बोर्ड मीटिंग के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड को बताया कि कई अहम मुद्दे अब भी नहीं सुलझे हैं। ऐसे में एन चंद्रशेखरन की फिर से टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति पर कोई भी चर्चा जल्दबाजी होगी। सूत्रों ने आशंका जताई है कि इससे चंद्रशेखरन और टाटा के बीच गतिरोध पैदा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक नोएल टाटा ने ग्रुप के पांच साल के स्ट्रैटजिक रोडमैड के बारे में चंद्रशेखरन से ज्यादा डिटेल देने को कहा है। साथ ही शापूरजी पलौंजी ग्रुप को बाहर करने के विकल्प और टाटा संस की लिस्टिंग के बारे में उनके रुख के बारे में भी पूछा गया है। एयर इंडिया और बिगबास्केट जैसी कंपनियों के परफॉरमेंस के साथ-साथ गवर्नेंस के मुद्दे पर भी टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच तनातनी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि 26 मई को हुई बोर्ड की बैठक के अंत में कुछ डायरेक्टर्स ने पूछा कि क्या अगली बैठक में चंद्रशेखरन की तीसरी बार नियुक्ति के मामले पर अगली बैठक में चर्चा होगी। इस पर नोएल टाटा ने कहा कि अभी इस पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि अभी कई मुद्दे अनसुलझे हैं और इन पर आगे काम करने की जरूरत है। इस मीटिंग में एयर इंडिया, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल के चीफ एग्जीक्यूटिव्स ने अपने बिजनेस से बारे में प्रजेंटेशन दी। सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया और

बिगबास्केट के बारे में नोएल टाटा को व्यापक जानकारी दी गई। टाटा ने 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड मीटिंग में कुछ गंभीर सवाल उठाए थे। उस बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने पर चर्चा को स्थगित कर दिया गया था। टाटा के सवालों का जवाब देने के लिए चंद्रशेखरन ने 26 मई को स्पेशल बोर्ड मीटिंग बुलाई थी। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है। एसपी ग्रुप की भी इसमें 18 फीसदी हिस्सेदारी है जिसे बेचकर वह अपना कर्ज चुकाना चाहता है। नोएल टाटा ने एयर इंडिया और बिगबास्केट को हो रहे घाटे पर चिंता जताई थी और इसे दुरुस्त करने को कहा था। टाटा संस की अगली बैठक 12 जून को होनी है जिसमें सालाना अकाउंट्स पर चर्चा होगी। इस बारे में टाटा संस और नोएल टाटा ने कोई टिप्पणी नहीं की।

## नौकरी का ऑफर ठुकराया तो लोग बोले- बेवकूफ, फिर किस्मत ने लिया टर्न

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इमैनुएल जॉन तमिलनाडु के रहने वाले हैं। उनकी जिंदगी में लगातार ट्विस्ट और टर्न आते रहे हैं। बेंगलुरु में कभी 10,000 रुपये की इंटर्नशिप और मैगी खाकर गुजारा करने वाले इमैनुएल आज सफल स्टार्टअप कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम 'टेकस टेक्नोलॉजीज' है। आइए, यहां इमैनुएल जॉन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2018 की बात है। कॉलेज से पास आउट होने के बाद इमैनुएल जॉन ने एक ऐसा फैसला लिया जिसने सबको हैरान किया। उनके पास एक सर्विस बेस्ड कंपनी से 25,000 रुपये महीने का अच्छा ऑफर था। लेकिन, उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

**मैगी खाकर गुजारे दिन, शेयर किया फ्लैट:** उनके शुरुआती दिन संघर्षों से भरे थे। 10,000 रुपये की मामूली सैलरी में बेंगलुरु जैसे शहर में गुजारा करना आसान नहीं था। उन्होंने तीन दूसरे दोस्तों के साथ फ्लैट शेयर किया।

पैसों की तंगी के कारण वह अक्सर मैगी खाकर दिन काटते थे। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई। 2019 में उसी कंपनी ने उन्हें 25,000 रुपये महीने पर फुल-टाइम जॉब दे दी। फिर उनकी सैलरी में लगातार इजाफा हुआ। साल 2020 में यह बढ़कर 35,000 रुपये हो गई। 2021 में 45,000 महीना।

इमैनुएल के करियर में बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2021 के बाद के हिस्से में आया। तब उन्होंने एक नई नौकरी जॉइन की जहां उनकी सैलरी 80,000 रुपये हो गई। लेकिन, वह यहीं नहीं रुके। नौकरी के साथ उन्होंने रात के समय 4-5 महीने तक ब्लॉकचेन जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी सीखने में बिताए। इस नई स्किल के बूते साल 2022 तक उनकी मासिक कमाई सीधे 3,50,000 रुपये महीने पहुंच गई। उन्होंने करीब डेढ़ साल तक वर्क फ्रॉम होम किया। इसी दौरान साइड प्रोजेक्ट के रूप में अपनी कंपनी की नींव रखनी शुरू की। साल 2024 में इमैनुएल ने कर्मचारी से फाउंडर बनने का बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। तमिलनाडु में अपने स्टार्टअप 'टेकस टेक्नोलॉजीज' पर पूरा फोकस किया। आज उनकी कंपनी में 9 लोग काम कर रहे हैं। भारत के साथ यूरोप और अमेरिका में भी उनके क्लाइंट्स हैं। कंपनी पिछले 6 महीनों से लगातार रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज कर रही है।

### 10,000 रुपये की चुनी इंटर्नशिप

इसके बजाय इमैनुएल ने बेंगलुरु के एक स्टार्टअप में सिर्फ 10,000 रुपये महीने की इंटर्नशिप चुनी। लोगों ने उनके इस फैसले को बेवकूफी भरा बताया। लेकिन, इमैनुएल का तर्क साफ था। उन्हें छह महीने ट्रेनिंग में बर्बाद करने के बजाय पहले ही दिन से असली कोडिंग सीखनी थी। करियर की शुरुआत में ही आर्थिक सुरक्षा को छोड़ देना अक्सर लोगों को हैरान कर देता है। छोटी-मोटी सहूलियतों के बजाय दूर की सोच ज्यादा मायने रखती थी।

## सिलेंडर और गाड़ियां महंगी, पीआई, पैन और आधार के बदल गए नियम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** जून का महीना अपना साथ कई नए बदलाव लेकर आया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगातार सातवीं बार बढ़ोतरी की गई है। साथ ही हवाई यात्रा भी आज से महंगी हो सकती है क्योंकि एयर इंडिया और इंडिगो ने फ्लाइट्स की संख्या में कटौती करने की घोषणा की है। इससे अलावा यूपीआई पेमेंट, आधार और पैन से जुड़े नियमों में आज से बदलाव हो रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह

53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है।

**एटीएम निकासी:** इसके अलावा, अब यूपीआई-आधारित कार्डलेस एटीएम निकासी को भी बैंक की मासिक मुफ्त निकासी सीमा में शामिल किया जाएगा। यदि ग्राहक निर्धारित मुफ्त लेनदेन की सीमा पार कर लेते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। यह नियम डेबिट कार्ड से की जाने वाली एटीएम निकासी की तरह ही लागू होगा। निर्धारित समयसीमा चूकने पर प्रति माह 1 प्रतिशत ब्याज का जुर्माना लग सकता है। इसके अलावा, इस महीने की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक होगी, जो 3 से 5 जून के बीच होने वाली है। बाजार इस बात पर बंटे हुए हैं कि क्या केंद्रीय बैंक रेपो दर में बदलाव करेगा, लेकिन मुद्रास्फीति, आर्थिक विकास और तरलता की स्थिति पर आरबीआई की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होगी। भविष्य में ब्याज दरों में कटौती या वृद्धि के किसी भी संकेत का असर आने वाले महीनों में होम लोन की ईएमआई, फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले रिटर्न और कुल उधार लागत पर पड़ सकता है।

**विंडफॉल टैक्स में कटौती:** सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल, डीजल और एटीएफ यानी विमान ईंधन पर एक्पोर्ट ड्यूटी में कमी की गई है। यह व्यवस्था 1 जून यानी आज से शुरू हो गई है। पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 3 रुपये से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

### यूपीआई का नियम

1 जून से यूपीआई ट्रांजैक्शन से जुड़े नियम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अगर आप जिस किसी को भी पैसे यूपीआई से ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा। माना जा रहा है कि नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई से होने वाले फ्रॉड को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया है। इसमें क्यूआर कोड स्कैन करते ही या मोबाइल नंबर डालते ही आपको सही व्यक्ति के बारे में पता चल जाएगा। करदाताओं के लिए 15 जून एक महत्वपूर्ण तारीख होगी। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर (एडवांस टैक्स) की पहली किस्त इसी दिन तक जमा करनी होगी। जिन लोगों की कुल टैक्स देनदारी 10,000 रुपए से अधिक है, उन्हें 15 जून तक अपने अनुमानित टैक्स का 15 प्रतिशत भुगतान करना होगा।

## राजधानी एक्स घंटों देरी से दिल्ली पहुंची, छूट गई एयर इंडिया की फ्लाइट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रेलवे की प्रीमियम ट्रेन राजधानी एक्सप्रेस भी चार घंटे की देरी से दिल्ली पहुंचे तो क्या कहेंगे। कोटा के एक दंपत्ति ने इस ट्रेन से दिल्ली आने का टिकट बुक कराया था। ट्रेन के अतिशय देरी से चलने की वजह से उनकी केरल जाने वाली फ्लाइट छूट गई। उन्हें अगले दिन का टिकट भारी कीमत देकर लेना पड़ा। यात्री ने न्याय के लिए जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया जहां से उनके पक्ष में फैसला हुआ। रेलवे ने इसकी अपील स्टेट कंज्यूमर फोरम में की। वहां से भी रेलवे को हार मिली। अब रेलवे को 69,000 रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना देना होगा।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यह वाकया है 17 दिसंबर 2017 का है। कोटा में रहने वाले अनिल कुमार राना और उनकी पत्नी अनीता राना ने उस दिन के लिए दिल्ली से त्रिवेंद्रम रूट पर एयर इंडिया की फ्लाइट बुक करायी थी। यह टिकट 9 नवंबर 2017 को ही बुक किया गया था, इसलिए सस्ती पड़ी थी। उन्हें यह टिकट 33,929 रुपये की पड़ी थी। इसके बाद 17 दिसंबर की सुबह कोटा से दिल्ली आने के लिए रेलवे की प्रीमियम ट्रेन नंबर 12431,राजधानी एक्सप्रेस में टिकट बुक कराया।

राजधानी एक्सप्रेस को कोटा से सुबह 6.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.40 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन में पहुंचना था। उसी दिन दिल्ली हवाई अड्डे से उनकी शाम 6.05 बजे की फ्लाइट थी। मतलब कि उनके पास पर्याप्त समय था। लेकिन यह ट्रेन चार घंटे से भी ज्यादा देरी से, शाम में 4.50 बजे निजामुद्दीन पहुंची। ट्रेन से उतर कर वे जब तक हवाई अड्डा पहुंचे, उनकी फ्लाइट जा चुकी थी।

प्लेन मिस होने के बाद कपल को रात एयरपोर्ट पर गुजारनी पड़ी। अगले दिन का उन्होंने टिकट बुक कराया जो कि 72,930 रुपये का पड़ा। मानसिक परेशानी हुई, होटल पर खर्च अलग से करना पड़ा। इतना सबकुछ करने के बाद वह अगले दिन केरल पहुंचे तो, लेकिन रेलवे की वजह से मन खट्टा हो गया। कोटा वापस आने के बाद राना ने रेलवे को मार्च और सितंबर 2018 में लिखित में रिप्रजेंटेशन दिया। उसमें रेलवे की वजह से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की गई थी। लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

# मिशन लाइफ आउर पर्याबरन संरछन के बढ़ावा देवत हे रास्ट्रीय प्राणी उद्यान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**नई दिल्ली।** रास्ट्रीय प्राणी उद्यान (एनजेडपी) स्वच्छता पखवाड़ा 2026 कर सुभारंभ एक जून के करलक। ई 15 जून, 2026 तक चलेक वाला स्वच्छता आउर पर्याबरन जागरुकता अभियान आहे। ई कार्जकरम कर उद्देस स्वच्छ भारत मिशन आउर मिशन लाइफ (पर्याबरन ले जीवनसइली) कर विजन कर अनुरूप स्वच्छता, पर्याबरन संरछन, सतत जीवनसइली आउर संरछन पहल में सार्वजनिक भागीदारी के बढ़ावा देवेक हय।

कार्जकरम कइ सुरुआत प्रतिभागीमन के सामूहिक स्वच्छता सपथ खियायेक कर संगे भेलक। इकर बाद एगो उन्मुखीकरन सत्र आयोजित करल गेलक, जेकर में पंद्रह दिन कर दौरान निर्धारित उद्देस आउर गतिबिधि कर परिचय देल गेलक। पर्याबरनीय परदूसन कर बारे में छातरमन कर चिंता आउर समाधान के रचनात्मक रूप से बेक्त करेक ले ह्रराष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्यों में प्रदूषण झ्र संरक्षित क्षेत्रह्व बिसय उपरे एगो पेंटिंग परतिजोगिता भी आयोजित करल गेलक। पेंटिंग आउर पोस्टर निरमान परतिजोगिता में 23 इस्कूल कर 44 गो छातरमन भाग लेलयं। आगामी पंद्रह दिन में, इस्कूली छातरमन, चिड़ियाघर आगंतुक, करमचारीमन आउर हितधारकमन के सामिल करते सिछा, जागरुकता आउर भागीदारी गतिबिधि कर एगो बिस्तृत श्रृंखला आयोजित करल जाई। ई गतिबिधि में स्वच्छता आउर सफाई बिसय उपरे नुक्कड़ नाटक, कीड़ामन कर पारिस्थितिक महत के उजागर करेक ले तितलीन, पतंग आउर जुगनुमन उपरे बिसेसगय जागरुकता कार्जकरम सामिल आहे। इकर अलावा प्राणी उद्यान परिसर में जॉगिंग कर संगे कचरा संग्रह गतिबिधि, जेकर में घूमेक कर संगे कचरा जमा करेक सामिल आहे। वन्यजीव आउर पछीमन उपरे केंद्रित मिट्टी कर मॉडलिंग परतिजोगिता, मिशन लाइफ सैछिक बिडियो कर परदरसन, वन्यजीव संरछन आउर निवास-स्थल कर सफाई उपरे जोर देते मार्गदरसित चिड़ियाघर भरमन होवी। स्वच्छ भारत आउर स्वच्छ चिड़ियाघर बिसय उपरे निबंध लेखन आउर चित्रकला परतिजोगिता आउर आगंतुकमन ले बिसेस गतिबिधि जेकर में डूडल अभियान आउर पर्याबरन जागरूकता संवाद सामिल आहे।

## इ दुनिया

संतोष महली,
ईटा, लोहरदगा।

छोइड़ के लाज -बिज
बहुत कुछ देखाथे इ दुनिया,
इन्जोरिया के अंधरिया बटे
ढेकइल के ले जाथे इ दुनिया।

बड़ा उमीद रहे
आदमी होवि,
तोरहोवि अपन,
एहे खेयाल में
माटी में मिल जाथे इ दुनिया।

जे पराया के छाती लगाय
जिनगी संवरालक,
उकर एहसान के
भुलाय जाथे इ दुनिया।

करीबी होइके
दगा देवेक में माहिर,
रहम काहां? बेरहम
होइ जाथे इ दुनिया।

पिछा नी छुटत रहे
बाजे या ना बाजे थइला,
खाली हांथ कर मजाक
रिसता तोइड़ जाथे इ दुनिया।

मेकप -सेकप करेक में आगे
अजिबे रंग में रइंग जाथे इ
दुनिया,
बेना पाया कर करजा
लेके,झुठो
देखावा में फइंस जाथे इ
दुनिया।

छोइड़ के लाज -बिज
बहुत कुछ देखाथे इ दुनिया,
इन्जोरिया के अंधरिया बटे
ढेकइल के ले जाथे इ दुनिया।

# बिस्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस में जागरुकता कार्जकरम भेलक आयोजित

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**पलामू।** डालटनगंज कर सदर परखंड में बिस्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस कर अवसर में जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन सोमार के करल गेलक। कार्जकरम में मुध गोतिया कर रूप में अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) श्रीमती सुलोचना मीणा पहुंचल रहयं। कार्जकरम में बड़ संख्या में किसोरीमन, जनीमन, आंगनबाड़ी सेविका आउर स्थानीय जनप्रतिनिधिमन भाग लेलयं। आपन संबोधन में एसडीओ सदर श्रीमती सुलोचना मीणा किसोरीमन के मासिक धर्म कर महत, इकर दौरान अपनाल जायेक वाला स्वच्छता संबंधी सावधानी आउर संतुलित आहार कर बारे में बिस्तार से जानकारी देलयं। ऊ कहलयं कि मासिक धर्म महिलामन कर जिनगी कर एगो प्राकृतिक आउर एकदम महतपूर्न परक्रिया आहे, जेकर सउबसे महतपूर्न पहलू सृष्टि कर निरंतरता आउर नवा पीढ़ी कर निरमान से जुड़ल आहे। एसडीओ सदर किसोरीमन के मासिक धर्म कर दौरान नियमित साफ-सफाई राखेक आउर सेनेटरी पैड कर उपजोग करेक कर सलाह देते कहलयं कि संक्रमन से बचाव ले स्वच्छता ढेइर जरुरी आहे। ऊ कहलयं कि ₹पहला सुख निरोगी काया₹, सेले स्वास्थ्य आउर स्वच्छता के सर्वोच्च प्राथमिकता देल जायेक चाही। कार्जकरम कर दौरान एसडीओ द्वारा किसोरीमन कर बीच मासिक धर्म स्वच्छता किट बांटल गेलक। संगे गोद भराई आउर अन्नप्राशन कार्जकरम कर भी आयोजन करल गेलक, जेकर में लाभुक महिलामन आउर छउवामन के सम्मानित करल गेलक। एहे अवसर में रास्ट्रीय वयोश्री योजना आउर दिब्यांगजन सहायता कार्जकरम कर अंतर्गत एसडीओ द्वारा 19 गो दिब्यांगजन कर बीच बैटरी चालित व्हीलचेयर कर बितरन करल गेलक। हुवें एलिम्को द्वारा आयोजित परखंड स्तरीय दिब्यांग मूल्यांकन सिबिर कर माध्यम से चयनित 86 गो दिब्यांगजन के बिभिन्न सहायक उपकरन आउर दिब्यांग यंत्र कर बितरन करल गेलक। कार्जकरम कइ दौरान एसडीओ आंगनबाड़ी सेविकामन कर द्वारा तैयार करल गेल पौष्टिक ब्यंजन कर स्टॉल कर निरीछन करलयं। बिभिन्न ब्यंजन कर स्वाद चइख के उनकर सराहना करलयं। ई अवसर में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पलामू श्रीमती नीता चौहान कहलयं कि पहिल माहवारी से लेइ के रजोनिवृत्ति तक मासिक धर्म प्रबंधन महिलामन आउर किसोरीमन कर जिनगी कर एगो महतपूर्न हिस्सा आहे। ऊ बतालयं कि मासिक धर्म कर दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरछा आउर सुरछित निपटान कर जानकारी हरेक किसोरी आउर महिला तक पहुंचायेक जरुरी आहे।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी आगे कहलयं कि मासिक धर्म से जुड़ल अनुभव के सकारात्मक आउर सहज बनायेक में जिनगी कौसल सिछा कर महतपूर्न भूमिका आहे। इकर से किसोरीमन आउर महिलामन के चुप्पी तोड़ेक, आपन बिचार खुइल के राखेक आउर सामाजिक आउर स्वास्थ्य संबंधी मिथक से बाहरे निकलेक में सहायता मिलेला। कार्जकरम में परखंड चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा किसोरीमन आउर महिलामन कर स्वास्थ्य परीछन ले बिसेस एनीमिया आउर रक्त जांच सिबिर कर आयोजन भी करल गेलक, जेकर से महिलामन के स्वास्थ्य संबंधी आवसक परामर्स आउर जांच सुबिधा उपलब्ध कराल गेलक। कार्जकरम में परभारी चिकित्सा पदाधिकारी, परखंड परमुख श्रीमती बसंती देवी, बी.पी.एम., जेएसएलपीएस, आंगनबाड़ी सेविकामन, महिला पर्यवेछिकामन आउर अन्य गनमान्य गोतिया पहुंचल रहयं।

## दिब्यांगजन सहायता सिबिर कर भी आयोजन

# दिब्यांग, मंदबुद्धि निराश्रितमन कर सेवा आउर कराल गेलक भोजन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

**रांची।** पुंदाग कर सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) में रहेक वाला 48 गो मंदबुद्धि दिब्यांग निराश्रित आउर उनकर सेवा करेक वाला सेवादार संगीमन के भोजन कराल गेलक। 16 से 31 मई तक 16 दिन में 3560 निराश्रित आउर उनकर देखभाल करेक वाला सेवादार संगीमन कर बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद कर बितरन करल गेलक। अन्नपूर्णा सेवा कर पुनीत कार्य में ट्रस्ट कर अध्यछ डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यछ राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज कुमार चौधरी,निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार,मधुसूदन जाजोदिया, विष्णु सोनी, सुरेश चौधरी, अरविंद अग्रवाल, सुरेश भगत,पवन पोद्दार संगे अन्य सदस्यगन पहुंचल रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर :** शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड :** कुमार राजेश। **फोन नंबर :** 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी :** jharkhandwanitaudyog@gmail.com